निदेशकीय

साहित्य सृजन और संरक्षण की दृष्टि से सम्पूर्ण देश में राजस्थान का अपना विशिष्ट स्थान रहा है। यहां हस्तलिखित ग्रन्थ आज भी व्यक्तिगत संग्रहों, उपाश्रयों, मन्दिरों व मठों में विद्यमान है किन्तु दुर्भाग्यवश उनकी सुरक्षा का कोई प्रबन्ध नहीं है। अज्ञानतावश सैंकड़ों हस्तलिखित ग्रन्थ या तो रद्दी के साथ बेच डाले गये हैं अथवा हवा की नमी, दीमकों, कीड़ों व चूहों द्वारा नष्ट हो गये हैं। कुछ महत्वपूर्ण हस्तलिखित ग्रन्थों की तो तस्करी भी हुई है और वे पाश्चात्य देशों के संग्रहालयों में चले गये हैं. फिर भी राजस्थान में अभी अपरिमित हस्तलिखित ग्रन्थ हैं। ऐसे हस्तलिखित ग्रन्थों को सरकारी स्तर पर प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान जोधपुर एवं उसके शाखा कार्यालयों द्वारा सुरक्षित करने का स्तुत्य कार्य किया जा रहा है। निजी संस्थाओं ने भी इस ओर काफी ध्यान दिया है और उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर आदि में हस्तलिखित ग्रन्थों को एकत्रित किया गया है।

साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ;उदयपुर भी सन् १९४१ से हिन्दी-राजस्थानी व संस्कृत के हस्तलिखित ग्रन्थों को संगृहीत करने का दुरूह कार्य कर रहा है। यह कार्य आज भी चालू है। यद्यपि इस संग्रह कार्य में आर्थिक कठिनाइयों से लेकर सम्बन्धित व्यक्ति से प्राप्त करने तक अनेक असुविधाओं से गुजरना पड़ता है किन्तु यह परम संतोष एवं हर्ष का विषय है कि संस्थान में संगृहीत कर इन ग्रन्थों को नष्ट होने से बचा लिया है। इस प्रकार से एकत्रित हस्तलिखित ग्रन्थों के दो केटेलॉग क्रमशः हिन्दी-राजस्थानी तथा संस्कृत के अलग-अलग प्रकाशित किये जा रहे हैं। प्रस्तुत केटेलॉग में हिन्दी राजस्थानी के ९८१ ग्रंथ समाविष्ट किये गये हैं। इसी क्रम में शेष ग्रंथों के और भी केटेलॉग प्रकाशित करने की योजना है।

किसी भी हस्तलिखित ग्रन्थ का महत्व उसके किसी भण्डार या संग्रहालय में सुरक्षित कर देने से ही नहीं है वरन् उसको प्रकाश में लाने में है, जब तक विद्वद् समाज किसी ग्रन्थ विशेष के बारे में यह नहीं जानेगा कि वह प्राप्य है अथवा अप्राप्य, या वह कहां पर प्राप्य है, तब तक वह विद्वान न तो अपने शोध कार्य को पूर्णता और मौलिकता दे पायेगा और नहीं उस ग्रन्थ के व्यापक महत्व को उजागर कर पायेगा। अतः हस्तलिखित ग्रन्थों के महत्व को बढ़ाने के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि किसी संग्रह विशेष के हस्तलिखित ग्रन्थो की सूची का प्रकाशन इस ढंग से किया जाय की उस ग्रंथ की उपादेयता स्वय स्पष्ट हो जाय। वस्तुतः हस्तलिखित ग्रन्थों का इस प्रकार प्रकाश में आना ही उसका पुनर्जीवन है और यही उस कार्य की भी सुपरिणति है। इस केटेलॉग के निर्माण में इस बात का पूरा-पूरा ध्यान दिया गया है और उन समस्त सूचनाओं व तथ्यों को जो उस सम्बन्धित हस्तलिखित ग्रन्थ में उपलब्ध है इस केटेलॉग में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

जिन हस्तलिखित ग्रन्थों का इस केटेलॉग में समावेश हुआ है, उनमें कुछ ग्रन्थ बहुत मूल्यवान हैं। कुछ ग्रन्थ ऐसे भी हैं जिनकी एकमात्र प्रति साहित्य संस्थान के संग्रहालय में ही विद्यमान है। ऐसे हस्तलिखित ग्रन्थों में राणारासो मेवाड़ के राजाओं की राणियें कुंवरों का हाल, मेवाड़ रे परगना रो वीवरो, सुरतांण गुण वरणणन तथा कविराव

बख्तावर द्वारा रचित समस्त साहित्य उल्लेखनीय है । कुछ ग्रन्थ ऐसे भी है जिनकी एकाधिक प्रतियां संस्थान संग्रहालय में है, जैसे-अवतार चरित्र, पृथ्वीराज रासो, भीम विलास आदि । सम्पादन और पाठान्तर की दृष्टि से इन ग्रन्थों का महत्व सर्वविदित है । कुछ हस्तलिखित ग्रन्थ ऐसे भी हैं जिनकी प्रतियां तो केवल एक-एक ही है और वे अन्यत्र भी उपलब्ध है लेकिन वे प्राचीन व शुद्ध होने से मूल्यवान हैं, ऐसे ग्रन्थों में राउ रतन री वेलि, बिन्है रासो, मधुमालती, कविता कल्पद्रुम, शृंगार रस माधुरी, जस विलास रतनसागर, शालिभद्र चौपई आदि प्रमुख हैं । इसी प्रकार डिंगल गीतों के संग्रह की हस्तप्रतियां भी काफी उपयोगी हैं । इस केटेलॉग में हिन्दी राजस्थानी के कतिपय ख्यात साहित्यकार व उनकी कृतियां भी सम्मिलित है जिनमें ईश्वरदास बारहठ, कविया करणीदान, किसना आढ़ा, कृष्णभट्ट देवर्षि कुलपति मिश्र जवानसिंह, जसवंतसिंह, पताजी आसिया, कविराव बख्तावर, सुरति मिश्र, हरिचरणदास, बांकीदास सम्मिलित हैं ।

संस्थान के हस्तलिखित संग्रहालय में संगृहीत हस्तलिखित ग्रन्थ समय-समय पर अनेक स्थानों से प्राप्त किये गये हैं । इन्हें या तो खरीदा गया है अथवा वे भेंट-स्वरूप प्राप्त हुए हैं । संग्रहालय में कविराव मोहनसिंह, रतनलाल जी अंताणी शिवरती महाराज शिवदानसिंहजी, रावत विजयसिंहजी, विजयपुरा, जोधसिंहजी महता, डॉ. रविशंकरजी, उदयसिंह महता, राव इन्दरसिंह मोयरी, पद्मनाभ ढोलकिया राजकोट, पं नाथूलाल व्यास (स्व.) आदि के संग्रहों से प्राप्त हस्तलिखित ग्रन्थ भी समाविष्ट है । संस्थान के भू. पू. कार्यकर्ता स्व. पं नाथूलालजी व्यास एवं सांवलदान आशिया ने संग्रहकार्य में बहुत योगदान दिया है । इस केटेलॉग को तैयार कर सम्पादित करने में संस्थान के उपनिदेशक डॉ. देव कोठारी एवं शोध सहायक डॉ. प्रभु शर्मा का योगदान प्रशंसनीय है ।

डॉ. देवीलाल पालीवाल
निदेशक

साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ,

उदयपुर

हस्तलिखित ग्रंथों की सूची

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
1	7	अंक बोधिका	नागार्जुन ऋषि	वि.सं.1907	—	बहुचरलाल व्यास	—	—
2	587	अंजणा सती रासो	—	—	—	—	—	—
3	488	अक्रुर जी नी स्तुती	प्रेमानन्द	—	—	—	—	—
4	404	अगर कुंडलियां	अगर कवि	—	—	—	—	—
5	833	अगर कुण्डलिया	कवि अगर	—	—	—	—	—
6	958	अगाध बोध	कबीर	—	—	—	—	—
7	135	अचलदास जी नैं लाल मेवाड़ी रीं बात	—	—	—	—	—	—
8	903	अजित जिन स्तवन	—	—	—	—	—	—
9	299	अजीतसिंघ जी री दवावैत	द्वारकादास	वि.सं.1772	—	—	—	—
10	647	अट्ठाइस नक्षत्र-वली	—	—	—	—	—	—
11	748	अड़सठ तीरथांरा नाम	—	—	—	—	वि.सं.1844	—
12	13	अध्यात्म धमाल	बनारसी-दास	—	—	नयविजय गणि (?)	वि.सं.1844	—
13	225	अध्यात्म प्रकाश	सुखदेव	वि.सं.1755	—	—	वि.सं.1925	—
14	121	अध्यात्म प्रकास	सुखदेव	वि.सं.1755	—	—	—	—
15	904	अनंत जिन स्तंवन	—	—	—	—	—	—
16	16	अनवर चंद्रिका	सुभकरन	—	—	प्राणनाथ	वि.सं.1818	—

रचना विषय	भाषा	गद्य पद्य छंद. सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
ोषधि एवं प्रयोग (वैद्यक)	राजस्थानी संस्कृत	गद्य	11.5"×5·5"	7	9–11	29–42	लिपि सुपाठ्य, ग्रन्थ पूर्ण
सती अंजना की जैन कथा	राजस्थानी	पद्य 50	6.1"×6.2"	38	10–12	15–20	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ पूर्ण
अक्रूर द्वारा ी कृष्ण की स्तुति	गुजराती	पद्य 50	8"×7.2"	6	11	17–23	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति-नीति	व्रज भाषा	पद्य 14	10.5"×6.7"	3	13–14	28–32	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति-नीति	व्रज भाषा	पद्य 14	13.5"×7.5"	4	28	15–20	ग्रंथ पूर्ण लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य 14	4.5"×5.7"	2	14	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य (ग्रन्थ संख्या 954 के साथ)
अचलदास खीची एवं लाला मेवाड़ी की वार्ता	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	7.7"× 6"	17	9–10	18–23	प्रारम्भिक कुछ अंश अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	राजस्थानी	पद्य 5	9.9"×4.6"	1	7 (कुल)	35–40	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
महाराजा अजीत सिंह का चरित्र	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	6.5"×4.5"	22	8	13–17	लिपि सुपाठ्य, पत्र संख्या 123 त्रुटित
ज्योतिप	राजस्थानी	गद्य	9·3"×10.3"	2	21	20–25	पत्र त्रुटित, लिपि सुपाठ्य नहीं
तीर्थों की नामावली	राजस्थानी	पद्य —	6.1"×4.5"	2	12	7–12	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य (ग्रंथ सं.129 के साथ)
ब्रह्म स्तुति एवं उद्‌बोधन	राजस्थानी	पद्य 18	9.5"×4.5"	1	19	54–62	ग्रंथ पूर्ण,लिपि सुपाठ्य
अध्यात्म	व्रजभाषा	पद्य 232	7.8"×6.2"	24	16	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अध्यात्म	व्रजभाषा	पद्य 241	5.2"×6.6"	33	11	15–23	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति	राजस्थानी	पद्य 9	9.9"×4.6"	1	11	35–40	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विहारी सतसई की टीका	व्रजभाषा	पद्य 718	8"×5.1"	116	10	20–26	पत्र सं. 1,99 अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
17	21	अनुभव प्रकाश	महाजसवंत सिंह	—	—	—	—	—
18	481	अनुभव प्रकाश (भाषा)	—	—	—	—	—	—
19	520	अनेकार्थ नाम माला	—	—	—	—	—	—
20	266	अनेकार्थ नाम माला	नंददास	—	—	—	—	—
21	146	अनेकार्थ मंजरी	नंददास	—	—	गोपालदास	—	भींडर
22	409	अनेकार्थी नाम-माला	नंददास	—	—	—	—	—
23	22	अपरोछ सिद्धान्त	महा. जस-वंत सिंह	—	—	कमला	वि.सं.1730	रामपुरा
24	373	अमर चंद्रका	सूरति मिश्र	—	—	—	—	—
25	1	अमृतमुखी चतुष्पदी	हीरमुनि	वि.सं.1727	मेदनीपुर	—	—	—
26	446	अरणक स्वाध्याय	रूपविजय	—	—	—	—	—
27	114	अर्जुन गीता	धनदास	—	—	—	वि.सं.1909	—
28	174	अलंकार चंद्रिका	हरिचरन-दास	—	—	—	वि.सं.1930	—
29	175	अलंकार चंद्रिका	हरिचरन-दास	—	—	पुरुषोत्तम दशोरा	वि.सं.1933	उदयपुर
30	168	अलंकार रत्नाकार	वंशीधर	—	—	पुरुषोत्तम दशोरा	वि.सं.1928	—
31	56	अवतार गीता	नरहरिदास बारहठ	वि.सं.1733	—	वैष्णवराम लाल	वि.सं.1887	चित्रकूट
32	58	अवतार चरित्र	नरहरिदास बारहठ	वि.सं.1733	—	औंकारनाथ	वि.सं.1898	[illegible] (चित्तौड़)
33	243	अवतार चरित्र	नरहरिदास बारहठ	वि.सं.1733	पुष्कर	—	वि.सं.1897	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
अध्यात्म ज्ञान	व्रजभाषा	पद्य 26	9.2"×5.7"	15	17–19	10–12	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
योग विधियां	संस्कृत एवं व्रज.	गद्य	11.6"×7"	16	12-13	30–35	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
पर्यायनाम	व्रजभाषा	पद्य 204	6.4"×4"	159	8	8–15	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ अपूर्ण
पर्यायनाम	व्रजभाषा	पद्य 154	7.9"×5.7"	19	16	13–19	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शब्दों के पर्याय	व्रजभाषा	पद्य 123	8.6"×7"	14	15–20	15–25	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ पूर्ण
शब्दों के पर्याय	व्रजभाषा	पद्य 121	10.5"×6.7"	8	13–14	28–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अध्यात्म ज्ञान	व्रजभाषा	पद्य 100	9.2"×5.7"	17	17–19	6–13	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
बिहारी सतसई एवं उसकी टीका	व्रजभाषा	पद्य 700	10"×6.5"	39	17–25	14–28	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
पुण्य सागर की जैन कथा	राजस्थानी	पद्य 90	9.6"×4.3"	13	19	35–42	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	राजस्थानी	पद्य —	9.8"×4.5"	1	10 (कुल)	35–40	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्त महिमा	राजस्थानी	पद्य 43	7"×5.3"	5	10–11	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
'भाषा भूषण' की टीका	व्रजभाषा	पद्य 277	9.3"×5.9"	35	13	12–16	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
'भाषा भूषण' की टीका	व्रजभाषा	पद्य 277	7.4"×11.7"	19	12	30–35	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अलंकार, लक्षण, एवं उदाहरण	व्रजभाषा	पद्य —	11.6"×8.9"	63	18–23	14–24	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भागवत पुराण की कथा	व्रजभाषा	पद्य —	11.10"×12"	241	31–33	35–45	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भागवत पुराण की कथा	व्रजभाषा	पद्य —	8.3"×8.1"	479	20–23	20–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य हनुमान का चित्र संलग्न
भागवत पुराण की कथा	व्रजभाषा	पद्य —	9.7"×10.7"	332	22–32	28–38	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
34	288	अवतार चरित्र	नरहरिदास वारहठ	—	—	—	—	—
35	617	अवतार चरित्र	नरहरिदास वारहठ	—	—	—	—	—
36	705	अवतार चरित्र	नरहरिदास वारहठ	—	—	—	—	—
37	98	अवतार सार	एकलिंगदान सिढायच	वि.सं.1899	—	—	—	—
38	963	अवलसीलोक	गोरखनाथ	—	—	त्रिभुवन दवे	वि.सं.1817	—
39	959	अष्टपदी	कवीर	—	—	—	—	—
40	498	अष्टप्रकार री पूजा	धर्मभूपण	—	—	हीरजी (?)	वि.सं.1783	पडोली ग्राम
41	562	अष्ट वचन	—	—	—	—	—	—
42	877	अहेल्या उधार	नरहर	—	—	—	—	—
43	655	अज्ञात	—	—	—	कानुगा शिवलाल	वि.सं.1882	—
44	698	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
45	600	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
46	602	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
47	701	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
48	596	अज्ञात	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
विष्णु के विविध अवतारों की कथा	ब्रजभाषा	पद्य —	12.9"×8·1"	194	21–28	16–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, लिपि भेद
विष्णु के विविध अवतारों की कथा	ब्रजभाषा	पद्य —	12·4"×8.3"	23	31	24–30	ग्रंथ अपूर्ण,लिपि सुपाठ्य,प्रति जीर्ण-शीर्ण
विष्णु के विविध अवतारों की कथा	ब्रजभाषा	पद्य —	12"×9"	271	30–36	25–35	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, प्रति जीर्ण-शीर्ण
विष्णु के विविध अवतारों की कथा	ब्रजभाषा	पद्य —	7"×10.5"	48	12–17	16–30	प्रारंभिक अंश अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश (मुसलमानों के संबंध में)	मिश्रित	पद्य —	4.5"×5.7"	3	14	10–15	ग्रंथपूर्ण,लिपि सुपाठ्य (ग्रंथ सं० 954 के साथ)
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य 8	4.5"×5.7"	5	14	10–15	ग्रंथपूर्ण,लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 954 के साथ
पूजा विधि	ब्रजभाषा	पद्य 9	4.8"×5.3"	3	13	12–18	ग्रंथपूर्ण,लिपि सुपाठ्य नहीं, पत्र त्रुटित
भविष्यफल से सम्बद्ध	राजस्थानी	गद्य	4.8"×7.4"	3	9–12	5–15	ग्रंथ अपूर्ण, लिपिसुपाठ्य (पत्र सं. ६७,६८ और ६९ प्राप्य)
अहिल्या उद्धार कीकथा	ब्रजभाषा	पद्य 12	13.5"×7.5"	3	12	15–25	लिपि सुपाठ्य, (ग्रंथ सं. ३४८ के साथ)
शकुन विषयक	राजस्थानी	गद्य	6.5"×4.9"	39	11–12	10–15	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
नायिका भेद	ब्रजभाषा	पद्य —	5.3"×12"	6	9–11	30–35	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
जैन धर्म विषयक	अपभ्रंश (?)	—	10.1"×4.6"	4	16–18	34–40	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
अलंकार वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 195	5.1"×7.7"	18	10	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
छंदशास्त्र विषयक	ब्रजभाषा	पद्य —	6.5"×12"	6	9–10	30–35	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य प्रति जीर्णशीर्ण
अध्यात्म विषयक	गुजराती	पद्य —	5·9"×7.7"	16	12–15	18–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं (गुजराती लिपि में)

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
49	633	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
50	589	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
51	708	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
52	631	अज्ञात	—	—	—	—	—	—
53	922	आतम प्रकास	आत्माराम	—	—	—	—	—
54	30	आत्म प्रकाश-स्वरुप	स्वामी तुलसीराम	—	—	अमोलक दास	वि.सं.1932	उदयपुर
55	430	आदिस्वर स्तवन	कनक कवि	—	—	—	—	—
56	20	आनंद विलास	महा. जसवंतसिंह	वि.सं.1724	—	—	—	रामपुरा
57	200	आनंद सागर	आनंद	—	—	रामवल्श मिश्र	वि.सं.1915	—
58	391	आनंद सागर	आनंद	—	—	रामवल्श मिश्र	वि.सं.1915	—
59	428	आनुपूर्वी	उदयचंद भण्डारी	—	—	—	—	जोधपुर
60	435	आमीया वेताल मंत्र	—	—	—	—	—	—
61	510	आयुर्वेद विषयक	—	—	—	—	—	—
62	601	आयुर्वेद विषयक	—	—	—	—	—	—
63	625	आयुर्वेद विषयक	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
गणित विषयक	—	—	6"×8.4"	8	—	—	प्रति जीर्ण शीर्ण, सुपाठ्य नहीं
चित्रग्रीव चरित्र	ब्रजभाषा	गद्य-पद्य मिश्रित	6'×9.5"	5	8–10	25–30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
अध्यात्मज्ञान	ब्रजभाषा	पद्य 29	9·2"×5.7"	4	16–18	10–14	लिपिसुपाठ्य, लिपि भेद, अंतिम पत्र जीर्ण-शीर्ण, ग्रंथ सं.२२के साथ
अलंकारादि विषयक	ब्रजभाषा	पद्य —	9"×5.5"	29	16–20	18–22	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
आयुर्वेद विषयक	ब्रज एवं राज०	पद्य —	9.5"×6.7"	172	10–15	25–30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अध्यात्मज्ञान	ब्रज एवं राज०	गद्य	12.1"×7.3"	175	25–26	15–26	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ पूर्ण, लिपि भेद
भक्तिविषयक (जैन)	राजस्थानी	पद्य —	9.6"×4.3"	1	9 (कुल)	20–44	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
अध्यात्मज्ञान	ब्रजभाषा	पद्य 201	9.2"×5.7"	34	16–19	8–14	ग्रंथ पूर्ण लिपि सुपाठ्य
कृष्ण चरित्र एवं उपदेश	ब्रजभाषा	पद्य 105	10.5"×7.3"	63	13	13–17	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कृष्ण चरित्र एवं उपदेश	ब्रजभाषा	गद्य 105	13."×8.2"	29	15–32	15–25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
यंत्रादि विषयक	ब्रजभाषा	—	9.7"×4.4"	1	14	15–45	लिपि सुपाठ्य, चार-यंत्रों का अंकन एवं विवरण
मंत्रादि विषयक	राजस्थानी	—	9.5"×4.3"	1	13	40–50	ग्रंथ पूर्ण, पृष्ठ भाग पर एक यंत्र
आयुर्वेद विषयक	राजस्थानी	गद्य	4.7"×7.5"	101	8–10	20–30	लिपि सुपाठ्य नहीं, अंग्रेजी एवं उर्दू लिपि भी व्यवहृत
आयुर्वेद विषयक	राजस्थानी	गद्य	6.3"×5.4"	230	10–12	8–12	प्रति अपूर्ण, जीर्ण-शीर्ण
आयुर्वेद विषयक	राजस्थानी	गद्य	22"×9.8"	7	25–40	20–30	ग्रंथ अपूर्ण,

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
64	893	आयुर्वेद विषयक	मनु	—	—	—	—	—
65	557	आयुर्वेद विषयक पत्र	—	—	—	—	—	—
66	641	आयुर्वेद विषयक पत्र	—	—	—	—	—	—
67	565	आयुर्वेद विषयक पत्र	—	—	—	—	—	—
68	695	आयुर्वेद विषयक पत्र	—	—	—	—	—	—
69	545	आवसग श्रावकरो	—	—	—	हुकमचद	वि.सं.1893	—
70	63	इतहास सार समुचै	गुसाई जुगता नंदजी	—	—	—	—	—
71	362	इस्क चमन	नागरीदास	—	—	—	—	—
72	376	ईग्यारस री कथा महातम	—	—	—	मोसनलाल (?)	वि.सं.1933	—
73	237	ईश्वर विवाह	देवीदास	—	—	त्रिभुवन तिवारी	वि.सं.1918	—
74	71	उत्सव विधि	—	—	—	—	—	—
75	697	उदयप्रकास	किसन सिढायच	—	—	—	—	—
76	886	उदयप्रकास	कृष्णसिंह सिढायच	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
आयुर्वेद विषयक	व्रजभाषा	पद्य —	12·8″×8·3″	10	24–32	17–21	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं. ३८८ के साथ
आयुर्वेद विषयक	राजस्थानी	गद्य	6″×9·4″	2	31	25–30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
आयुर्वेद विषयक	राजस्थानी	गद्य	20·4″×6·9″	1	60 (कुल)	20–30	पत्र जीर्ण-शीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
आयुर्वेद विषयक	राजस्थानी	गद्य	9·4″×5″	2	10–11	25–30	पत्र जीर्ण-शीर्ण, लिपि भेद, लिपि सुपाठ्य
आयुर्वेद विषयक	व्रजभाषा	गद्य	8·4″×6·6″	57	16–20	17–25	प्रति जीर्ण शीर्ण, ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
जैन धर्मोपदेश	राजस्थानी	पद्य —	10″×4·8″	3	12	28–32	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, पत्र सं. 1–3 अप्राप्य
पौराणिक कथा	राजस्थानी	पद्य 121	4·7″×5·8″	9	13–19	20–27	प्रतिजीर्णशीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, केवल ३१ वां अध्याय प्राप्य
इश्क वर्णन	व्रजभाषा	पद्य 45	10·8″×7·5″	4	19	13–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, उर्दू शब्दों का विशेष प्रयोग
एकादसी माहात्म्य	राजस्थानी	गद्य	8·4″×6·9″	76	15–25	14–22	कुछ पत्र त्रुटित, लिपि भेद
शिव विवाह	गुजराती	पद्य —	5·3″×6·8″	9	13–15	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
धार्मिक उत्सवों का वर्णन	व्रजभाषा	गद्य	9″×5″	3	22–24	16–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य संस्कृत ग्रं. सं. २५६ के साथ
महारावल उदयसिंह चरित्र	राज. एवं व्रजभाषा	पद्य —	11·3″×10·8	13	15	20–15	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, पत्र सं. ३३-३७ एवं ३९-४६ प्राप्य
महारावल उदय सिंह चरित्र	राज. एवं व्रजभाषा	पद्य —	13·5″×7·5″	10	25–32	10–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. ३४९ के साथ

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
77	546	ओखा चरित्र	—	—	—	—	—	—
78	115	ओखा चरित्र	रामदास	वि.सं.1741	—	वासुदेव	वि.सं.1909	—
79	235	ओधव जी ना संदेसा	रघुनाथ	—	—	—	—	—
80	955	कंवड़ बोध	—	—	—	—	—	—
81	945	कका बत्तीसी	—	—	—	ब्राह्मण पीथा	वि.सं.1915	—
82	664	ककड़ चेतावणी	—	—	—	—	वि.सं.1901	—
83	475	ककड़ बत्तीसी	गंगदास	—	—	—	—	—
84	439	कफ ज्वर विधि	—	—	—	—	—	—
85	961	कबीर जी की रमणी	रवीन्द्रास	—	—	—	—	—
86	962	कबीर जी की मोनि तथी	कबीर	—	—	—	—	—
87	734	करपग दरपण	—	—	—	—	—	—
88	856	करमसिंह सांमल दास चहुआण रा कवित्त छप्पय	बीठू मेहा	—	—	—	—	—
89	872	करन सी सांमल दास चहुवांण रा कवित्त	बीठू मेहा	—	—	सांमलदास आशिया	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
बाणासुर से संबद्ध कथा	गुजराती	पद्य —	7.8"×6"	79	16	14–15	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भागवत के दशम स्कंध की कथा	राजस्थानी	पद्य —	7"×5.3"	114	10-12	15–20	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ पूर्ण
गोपी-उद्धव संवाद	गुजराती	पद्य —	5.3"×6.8"	4	13–15	10–15	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी	पद्य 25	4.5"×5.7"	3	14	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य (ग्रंथ संख्या ९५४ के साथ)
उपदेश	राजस्थानी	पद्य —	5.2"×6.8"	8	8–10	8–10	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, अपर नाम 'ग्यान कको'
वस्त्र वर्णन	राजस्थानी	पद्य 20	4.9"×6.5"	4	9	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, अपर नाम 'कपड़ कुतुहल'
वस्त्र वर्णन	राजस्थानी	पद्य 32	9.5"×6.8"	2	17	17–35	प्रतिजीर्ण, लिपि सुपाठ्य
[illegible]	राजस्थानी	गद्य	4.9"×6.3"	1	12 (कुल)	20–25	लिपि अस्पष्ट
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य 10	4.5"×5.7"	2	14	10–15	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 954 के साथ
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य 16	4.5"×5.7"	2	14	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 954 के साथ
ऋतुओं की प्रकृति का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 42	4.7"×6.4"	9	8–10	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं. 124 के साथ
सांमलदास चौहान का चरित	राजस्थानी	पद्य 31	13.5"×7.5"	8	12	15–20	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 345 के साथ
सांमलदास चौहान का चरित	ब्रजभाषा	पद्य 31	13.5×7.5"	16	12	15–20	ग्रंथपूर्ण, एवं शब्दार्थ सहित, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 346 के साथ

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
90	576	करमानी प्रकृती नो थोकड़ो	—	—	—	—	—	—
91	719	कराड़ रासो	महडू महादानजी	—	—	—	—	—
92	869	करुणा अष्टक	बिसनदास	—	—	—	—	—
93	85	करुणा बत्तीसी	—	—	—	—	वि.सं.1886	करेडा
94	585	करुणा बत्तीसी	—	—	—	—	—	—
95	418	करुना बत्तीसी	—	—	—	—	—	—
96	597	करुणा रस	—	—	—	—	—	—
97	751	कर्मपाक	—	—	—	उपाध्याय मेता	वि.सं.1821	—
98	429	कर्मोपरिस्वाध्याय	हरख ऋषि	—	—	—	—	—
99	635	कलजुग की लीला	द्वारिका-दास	—	—	—	—	—
100	142	कवाट सरवहीया री वात	मुरारि (?)	वि.सं.1854	—	सिढ़िया नर-सिंह दास	वि.सं.1908	बरनोद
101	193	कविता कल्पतरु	नान्हूराम	वि.सं.1788	—	मोतसिंह	वि.सं.1940	—
102	892	कवित्त छप्पय महाराजा अभयसिंह	सिढ़िया वगता	—	—	—	—	—
103	43	कवित्त फुटकर	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
कर्म प्रकृति वर्णन	गुजराती	गद्य	4.8"×10"	11	8	30–35	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
रामा (?)-जयचंद्र (? की लड़ाई	राजस्थानी	पद्य —	11.1"×9·3"	3	19–24	15–36	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 92 के साथ
ईश्वर स्तुति	ब्रजभाषा	पद्य 8	13·5"×7·5"	1	26	20–26	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 346 के साथ
विनय के पद	राजस्थानी	पद्य 35	6·1"×4.5"	6	11–14	8–13	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य 2	5·3"×5·9"	2	8	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य 40	10.5"×6·7"	7	13	28–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य —	8·5"×6"	7	15–20	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, विविध कवियों के पदों व दोहों का संग्रह
राशिफल वर्णन	राजस्थानी	गद्य —	5 "×5.7"	18	12–15	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, प्रारम्भ के ७ पत्र अप्राप्य ग्रंथ सं० 151 के साथ
कर्मफल वर्णन	राजस्थानी	पद्य 18	9·4"×4"	1	14	30–35	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कलियुग वर्णन	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	6"×8.4"	4	8–9	18–25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
कहवाट सरवहीया की वार्ता	राजस्थानी	पद्य 235	10"×6.5"	99	14–19	7–16	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
रस, अलंकार आदि	ब्रजभाषा	पद्य 591	8·2"×6·6"	82	11	20–28	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य पत्र सं. 32–36 तक चित्रकाव्य
अभयसिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य 69	9·6"×6·5"	17	15–20	10–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 372 के साथ
शृंगार, वीर एवं नीति के छंद	ब्रजभाषा	पद्य 29	8.4"×6.5"	6	15	16–24	लिपि सुपाठ्य, विविध कवियों के छंदों का संग्रह

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
104	359	कवित्तवंध रामचरित्र कवितावली	गो. तुलसीदास	—	—	डूंगरलाल	वि सं.1903	जोधपुर
105	239	कवित्त वर्णावली	रसिक विहारी	—	—	—	—	—
106	521	कवित्त सवैया	नगराज	—	—	—	—	—
107	210	कवि दरपन	ग्वाल कवि	वि.सं1891	मथुरा	—	वि सं.1927	उदयपुर
108	613	कविप्रिया	केशवदास	—	—	नंदकेश्वर	—	—
109	703	कविप्रिया	केशवदास	—	—	—	—	—
110	977	कविप्रिया	केशवदास	—	—	—	वि.सं.1905	—
111	24	कविप्रिया की टीका	—	—	—	रामभिक्षुक कायस्थ	वि सं.1827	—
112	747	कागद री ओपमा	—	—	—	—	—	—
113	479	काग शास्त्र	—	—	—	—	—	—
114	956	काफर वोध	गोरखनाथ	—	—	—	—	—
115	785	कायर वावनी	वांकीदास	वि.सं.1871	—	आढ़ा किसना	वि.सं.1878	—
116	731	कायर वावनी	वांकीदास	वि.सं.1871	—	—	वि.सं.1927	—
117	127	कार्तिक माहात्म्य	भगवान (?)	वि सं.1742	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
राम चरित्र एवं उपदेश	ब्रजभाषा	पद्य 381	10.8"×7.5"	72	19	14–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शृंगार एवं भक्ति	ब्रजभाषा	पद्य 57	8.4"×5"	13	16–18	10–20	लिपि सुपाठ्य, कवि का मूल नाम महंत जानकी प्रसाद उल्लिखित है
शृंगार एवं भक्ति	ब्रजभाषा	पद्य 20	23"×6.2"	3	43–46	14–16	पत्र जीर्ण शीर्ण, ग्रंथ अपूर्ण
काव्य शास्त्र	ब्रजभाषा	पद्य —	12.2"×7.5"	81	28	16–22	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
छंद अलंकारादि वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य —	9.5"×4.4"	130	8	28–35	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, प्रति जीर्ण
छंद अलंकारादि वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य —	9.7"×5.7"	21	18–22	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
छंद अलंकारादि वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य —	9.5"×6"	7	17–18	10–12	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अलंकार विवेचन	ब्रजभाषा	पद्य —	9.8"×5.3"	41	15	40–58	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
प्रेमपत्र एवं शृंगार वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	4.7"×6.4"	13	10–12	10–15	लिपि सुपाठ्य नहीं ग्रंथ सं. 125 के साथ
शकुन	मिश्रित	गद्य	8.7"×6.5"	1	13	28–36	लिपि सुपाठ्य नहीं
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य 27	4.5"×5.7"	4	14	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 954 के साथ
कायर वर्णन	राजस्थानी	पद्य 54	12.2"×9.5"	2	28–31	28–35	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 310 के साथ
कायर वर्णन	राजस्थानी	गद्य 54	4.7"×6.4"	9	8–10	9–14	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं. 124 के साथ
कार्तिक मास व्रत कथा-माहात्म्य	ब्रजभाषा	पद्य —	9"×6.2"	20	13–14	20–28	लिपि भेद, ग्रंथ अपूर्ण पत्र सं. 6 अप्राप्य

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
118	466	काल गनांन	—	—	—	—	—	—
119	196	काव्य कुतूहल	चित्रसाल	—	—	—	वि.सं.1925	—
120	349	काव्य संग्रह	—	—	—	—	—	—
121	348	काव्य संग्रह	—	—	—	सांवलदान आशिया	—	—
122	347	काव्य संग्रह	—	—	—	सांवलदान आशिया	—	—
123	344	काव्य संग्रह	—	—	—	—	—	—
124	343	काव्य संग्रह	—	—	—	—	—	—
125	338	काव्य संग्रह	—	—	—	—	—	—
126	302	काव्य संग्रह	—	—	—	—	—	—
127	179	काव्य सिद्धान्त	सुरति मिश्र	वि.सं.1758	—	महताबसिंह	वि.सं.1932	सलूम्बर
128	367	काव्य सिद्धान्त	सुरति मिश्र	—	—	हरिराम व्यास	वि.सं.1913	जोधपुर
129	417	किरतार बत्तीसी	—	—	—	—	—	—
130	536	किरातन	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
राशिफल	राजस्थानी एवं संस्कृत	गद्य	10.2"×7.3"	5	19–20	25–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
काव्य लक्षण एवं नवरस वणन	ब्रजभाषा	पद्य 214	6.3"×9.2"	27	9–11	18–26	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध (भक्ति, वीर एवं अन्य)	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	13.5"×7.5"	101	12–32	10–30	लिपि सुपाठ्य
विविध (भक्ति, शृंगार)	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	13.5"×7.5"	153	6–32	15–30	लिपि सुपाठ्य, विविध कवियों विरचित काव्य
विविध (भक्ति, वीर, शृंगारआदि)	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	13.5"×7.5"	156	6–32	5–30	लिपि सुपाठ्य विविध कवियों विरचित काव्य
विविध	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	13.5"×7.5"	96	6–36	15–30	लिपि सुपाठ्य, विविध कवियो विरचित काव्य एवं भीमविलास का कुछ अंश
विविध	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	13.5"×7.5"	87	8–30	15–30	लिपि सुपाठ्य, विविध कवियों के गीत एव कवित्त
विविध	राजस्थानी	पद्य —	13.5"×7.5"	131	6–26	15–20	लिपि सुपाठ्य विविध कवियों विरचित गीतादि
विविध	ब्रज एवं राजस्थानी	पद्य —	11.3"×9.5"	206	16–20	25–40	लिपि सुपाठ्य, लिपि भेद, प्रति जीर्ण-शीर्ण
शब्द शक्ति, नवरस वर्णन आदि	ब्रजभाषा	पद्य 150	5.9"×7.5"	14	11–14	25–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
काव्य शास्त्र	ब्रजभाषा	पद्य 145	10.7"×7.2"	19	20	13–18	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
उपदेश	राजस्थानी	पद्य 32	10.5"×6.7"	4	13	28–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य —	6.5"×4.6"	2	12–15	12–14	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
131	412	किसन वावनी	किसन कवि	वि.सं.1767	—	—	—	—
132	772	कीराड़ रासो	—	—	—	—	—	—
133	807	कीर्तिप्रकाश	ग्राशिया वख्तराम	—	—	—	—	—
134	12	कीसनजी रो सलोको	—	वि.सं.1795	पांचेटिया	—	—	—
135	141	कीसन ध्यांन	वारहठ ईसरदास	—	—	खिड़िया नरसिंह दास	वि.सं 1907	—
136	889	कुंडलिया हालां झालां रा	वारहठ ईसरदास	—	—	—	वि.सं.1912	—
137	194	कुंवर सुजांण सींग री वारता	देवो	वि.सं.1910	—	रघुनाथ भट्ट	वि.सं.1940	—
138	743	कुकवि वत्तीसी	वांकीदास	वि.सं.1871	—	—	—	—
139	847	कुराड़ रासो	—	—	—	—	—	—
140	831	कुकव वतीसी	वांकीदास	—	—	—	—	—
141	289	कूर्मवंश यश प्रकाश	गोपालदान	—	—	—	—	—
142	17	कृष्ण चन्द्रिका	रामप्रसाद 'वीर'	वि.सं.1779	—	इन्द्रप्रस्थ	—	—
143	624	केवलिणो मंत्र	—	—	—	—	वि.सं.1898	देहग्राम
144	873	कैरव पछीसी	सरेदान	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
ज्ञानोपदेश	ब्रजभाषा	गद्य 61	10.5"×6.7"	10	13	28–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कोई वणिक-युद्ध कथा	राजस्थानी	पद्य —	8.9"×6.3"	5	16–19	14–24	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं० २५३ के साथ
महा. अरिसिंह से संवद्ध वर्णन	राजस्थानी	पद्य 19	13.5"×7.5"	5	22–27	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. ३३८ के साथ
कृष्ण-चरित्र	राजस्थानी	गद्य	9.5"×4.5"	1	16	43–52	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ पूर्ण
कृष्ण-चरित्र	ब्रजभाषा	पद्य —	10"×6.5"	6	14–16	8–12	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
हाला जसाजी एवं झाला रायसिंह का युद्ध	राजस्थानी	पद्य 30	9.6"×6.5"	16	14–18	12–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. ३७२ के साथ
अजैराज के पुत्र सुजानसिंह का चरित्र	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	6"×10"	87	12	25–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
बुरे कवियों की निंदा	राजस्थानी	पद्य 39	4.7"×6.4"	4	8–12	12–14	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं. १२४ के साथ
राभा और चंद नामक किन्हीं वणिकों की लड़ाई	राजस्थानी	पद्य 30	13.5"×7.5"	2	30–32	15–20	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. ३४३ के साथ
बुरे कवियों की निंदा	राजस्थानी	पद्य 39	13.5"×7.5"	5	8	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ. सं. ३४२ के साथ
कूर्म वंश की नरुका शाखा से संवद्ध वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य —	6.6"×7.5"	55	11–12	15–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
रीति काव्य	ब्रजभाषा	पद्य 419	8.1"×6.5"	35	19	17–26	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
मंत्रविषयक	राजस्थानी	पद्य 38	4.7"×9.6"	1	21	35–40	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य पत्र जीर्ण-शीर्ण
युद्ध वर्णन	राजस्थानी	पद्य 28	13.5"×7.5"	10	6	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. ३४७ के साथ

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
145	368	कँवराट-सरवहिया री वात	मुरारि (?)	—	—	नरसिंह दास	वि.सं.1905	जोधपुर
146	930	कोक	—	—	—	—	—	—
147	519	कोकसार	आनंद कवि	—	—	—	—	—
148	468	कोकसार	कोक कवि	—	—	—	—	—
149	661	कोकसार तत	कोक देव	—	—	लोढ़ा नंद राम	—	—
150	885	कृपण दरपण	वांकीदास	—	—	—	—	—
151	782	कृपण दर्पण	—	—	—	आढ़ा किसना	वि.सं.1878	—
152	506	कृसन चीर	—	—	वृंदावन	अर्मैराज	—	—
153	898	क्रोधसज्जाय	भाव सागर	—	—	—	—	—
154	871	खटरति का कवित	वदन जी मिश्रण	—	—	—	—	—
155	825	खीचड़ रासो	—	—	—	—	—	—
156	738	गंगा लहरी	वांकीदास	—	—	—	—	—
157	884	गंगा लहरी	वांकीदास	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
वार्ता	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	10.7"×7.2"	42	21–22	13–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कोक शास्त्र (कामशास्त्र)	व्रजभाषा	पद्य —	4.6"×5"	45	10–13	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
कामशास्त्र	व्रजभाषा	पद्य —	104"×5.8"	12	12	25–35	ग्रंथ सं. 929 के साथ लिपि सुपाठ्य,पत्र सं. 4 अप्राप्य
कामशास्त्र	व्रजभाषा	पद्य —	10.4"×7.4"	10	18–19	24–35	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कामशास्त्र	राजस्थानी	गद्य	4.6"×5.5'	37	7–8	15–22	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
कंजूसों का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 42	13.5"×7.5"	6	8	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 349 के साथ
कंजूस वर्णन	राजस्थानी	गद्य 44	12.2"×9.5"	2	28	28–35	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 310 के साथ
श्रीकृष्ण चरित्र	राज. एवं ब्रज.	पद्य 34	7.5"×4.7"	4	10–12	17–25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
क्रोध निवारण-उपदेश	राजस्थानी	पद्य 8	9.8"×4.5"	1	10 (कुल)	14–38	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं. 431 के साथ
ऋतु वर्णन	राजस्थानी	पद्य 42	13.5"×7.5"	10	12	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, पत्र सं, 346 के साथ
खिचड़ी वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	13.5"×7.5"	1	32	15–30	लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 342 के साथ
गंगा-महिमा	राजस्थानी	पद्य 45	4.7"×6.4"	5	8–10	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं. 124 के साथ
गंगा-महिमा	राजस्थानी	पद्य 45	13.5×7.5"	6	8	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य पत्र सं. 349 के साथ

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
158	778	गंगा लहरी	बांकीदास आशिया	—	—	आढ़ा किसना	वि सं.1878	—
159	638	गऊ लीला	—	—	—	—	—	—
160	155	गज सुकुमाल महामुनि चतुष्पदी	जिनसिंह सूरि	वि सं 1699	—	—	वि सं 1834	तिमिरी ग्राम
161	470	गढ़ चींतवणी	—	—	—	—	—	—
162	821	गढ़ चीतोड की गजल	खेतल	—	—	—	—	—
163	767	गणगौर उत्सव	—	—	—	—	—	—
164	758	गणप्रस्तार दूहा	—	—	—	—	—	—
165	480	गणित नेमसागर	—	—	—	—	—	—
166	206	गीत कवित्त	—	—	—	आढ़ा सव दान	—	—
167	207	गीत संग्रह	—	—	—	—	—	—
168	720	गीतां री जाति	रतनू हमीर	—	—	शालिग राम	वि.स.1888	उदयपुर
169	101	गीता–भाषा	—	—	—	—	—	—
170	547	गीता माहात्म्य	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
गंगा-महिमा	राजस्थानी	गद्य 45	12.2"×9.5"	2	27–30	28–35	ग्रंथपूर्ण,लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 310 के साथ
गौ से संबद्ध कोई कथा	ब्रजभाषा	पद्य 14	6"×8.4"	3	9–11	18–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
गय सुकुमार का चरित्र,जैन कथा	राजस्थानी	पद्य —	9.3"×4.9"	17	18	42–47	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध किलों का परिचय	राजस्थानी	पद्य 31	9.5"×7"	3	17	30–35	ग्रंथपूर्ण,लिपि सुपाठ्य प्रति जीर्ण शीर्ण
चित्तौड़ के किले का वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	13.5"×7.5"	5	30–35	20–30	ग्रंथपूर्ण,लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 342 के साथ
उदयपुर के गणगौर उत्सव का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 26	10.7"×8.2"	3	18–22	20–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य,ग्रंथ सं. 227 के साथ
अंक वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 32	5.9"×7.5"	5	9–10	12–22	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य,ग्रंथ सं. 180 के साथ
गणित विषयक	राजस्थानी	—	11"×7"	32	15–30	15–25	गणित से सम्बद्ध तालिकाओं सहित लिपि सुपाठ्य
विविध	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	13.3"×10"	25	16–25	15–30	लिपि सुपाठ्य नहीं
राजाओं के चरित्र से संबद्ध गीत	राजस्थानी	पद्य —	8.5"×6.7"	32	13–17	12–26	लिपि सुपाठ्य नही
24 प्रकार के गीत	राजस्थानी	पद्य 24 (गीत)	9.3"×11.1"	5	26–27	26–35	ग्रंथपूर्ण,लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 93 के साथ
श्रीकृष्ण का अर्जुन को उपदेश	राजस्थानी	पद्य	5.3"×6.7"	47	11–13	15–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
गीता माहात्म्य से संबद्ध कथाएं	ब्रज एवं राजस्थानी	पद्य —	6"×6.7"	44	12–15	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
171	457	गीरोली विचार	—	—	—	—	—	—
172	422	गुण एकादशी महातम	मेहडू लाखा मांडवाणी	—	—	—	—	—
173	297	गुण गजमोख	माधवदास	—	—	—	—	—
174	793	गुण गजमोक्ष	माधोदास दधवाडिया	—	—	—	—	—
						—	—	—
175	397	गुण क्रसन रुपमणी वेल	राठोड प्रिथीराज	वि.सं.1637	—			
176	791	गुण झाला श्री चद्रसेग जी गे	पताजी आसिया	—	—	आसिया मानसिह	वि.सं.1785	—
177	888	गुण वचनका (रतनरासो)	खिड़िया जगा	वि.सं.1715	—	—	—	—
178	416	गुण वचनिका	खिडिया जग्गा	वि.मं.1715	—	—	—	—
179	78	गुर सतुती	जगजीवन दास	—	—	—	—	—
180	609	गुर्जरी रागेण (?)	जयदेव	—	—	—	वि.सं.1928	—
181	653	गूढ़ एवं फुटकर काव्य	—	—	—	—	—	—
182	384	गूढ़ा दूहा	—	—	—	—	—	—
183	144	गोगा पैड़ी	आसाजी बारहठ	—	—	—	वि सं.1907	—
184	800	गोठियाण गोली काण्ड	पृथ्वीदान हिंगलाजदान सांवलदान	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
ज्योतिष एवं शकुन विषयक	राजस्थानी	गद्य	10"×7.2"	2	19	25–31	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
एकादशी माहात्म्य	राजस्थानी	पद्य 131	10.5"×6.7"	21	13–14	28–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
गजमोक्ष की कथा	राजस्थानी	पद्य —	6.5"×4.5"	8	8	12–16	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
गजमोक्ष की कथा	राजस्थानी	पद्य 4 (नीसाणी)	13.5"×7.5'	3	32–35	15–20	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 336 के साथ
कृष्ण रुक्मिणी विवाह	राजस्थानी	पद्य 304	10.5"×6.7"	18	13–15	25–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य,
हलवद के झाला चंद्रसेन का चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	14.8"×9.2"	15	27–30	8–30	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 335 के साथ
धरमत युद्ध का वर्णन	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	13.2"×7.8"	67	10–32	15–20	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 353 के साथ
धरमत युद्ध का वर्णन	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	10.5"×6.7"	21	13	28–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
गुरु महिमा एवं वंदना	राजस्थानी	पद्य 65	4.7"×5.7"	9	8–10	13–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा (संस्कृत निष्ठ)	पद्य 10	7.8"×4.5"	1	9	20–25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं,
गूढ़ार्थ दोहे एवं अन्य	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	3.3"×4.9"	24	6–8	14–20	लिपि सुपाठ्य नहीं
गूढ़ार्थ दोहे	ब्रजभाषा	गद्य 38	5.1"×9.8"	4	9–15	12–23	लिपि सुपाठ्य
गोगा चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	10"×6.5"	8	15–24	10–16	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
गोठियाण ठिकाना से संबद्ध घटनाएं	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य 37	13.5"×7.5"	4	28–32	15–22	लिपि सुपाठ्य, काव्य शब्दार्थ सहित, ग्रंथ सं. 336 के साथ

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
185	402	गोड़ी पार्श्वनाथ जी को छंद	कुशललाभ (?)	—	—	—	—	—
186	709	गोपीचंद की कथा	—	—	—	—	—	—
187	969	गोरखनाथ जी री सबदी	गोरखनाथ	—	—	—	वि.सं.1817	—
188	954	गोरख वोध	—	—	—	—	वि.सं.1717	—
189	636	ग्यान वाराखड़ी	—	—	—	—	—	—
190	918	ग्यान रसक ग्रंथ	राम सजन	वि सं.1857	—	—	—	—
191	637	ग्यान सागर	—	—	—	—	—	—
192	442	ग्रामवासाज्ञानम् एवं लग्न मानम्	—	—	—	—	—	—
193	401	घुघर नीसाणी	पास कवि	—	—	—	—	—
194	809	घोड़ा की जनम प्रक्ष	कुंवर रतन सिंह	—	—	—	वि.सं.1935	—
195	626	घोड़े की परीक्षा करने की विधि	—	—	—	घासीराम	वि सं.1930	उदयपुर
196	684	चंद कुंवर की वात	—	—	—	—	—	—
197	205	चंद कुंवर री वात	रसिक कवि	वि.सं.1740	—	आढ़ा सवदान	वि.सं.1895	—
198	3	चंद चरित्र	मोहन विजय	वि.सं.1783	राजनगर (गुजरात)	अभैराज	वि.सं.1849	—
199	464	चंदण मलियागरी चोपइ	भद्रसेन	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
पार्श्वनाथ चरित्र	राजस्थानी	पद्य 22	10.5″×6.7″	2	13–14	28–31	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
गोरख एवं गोपी चंद की कथा	राजस्थानी	पद्य 65	4.7″×5.8″	6	13–15	13–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि भेद एवं अस्पष्टता ग्रंथ सं. 62 के साथ.
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य 66	4.5″×5.7″	8	14	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 954 के साथ
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी	पद्य 124	4.5″×5.7″	17	14	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
उपदेश	राजस्थानी	पद्य —	6″×8.4″	1	9	18–25	ग्रंथ, पूर्ण लिपि सुपाठ्य नहीं
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी एवं ब्रज.	पद्य —	6.1″×4.8″	180	12–14	17–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
ज्ञान एवं भक्ति	ब्रजभाषा	गद्य	6″×8.4″	1	10	18–25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
ज्योतिष विषयक	राजस्थानी	गद्य	10″×4.1″	1	13	50–55	लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति विषयक	राजस्थानी	पद्य 29	10.5″×6.7″	4	13–15	25–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अश्व-परीक्षा से संबद्ध पद	राजस्थानी	पद्य 28	13.5″×7.5″	2	18–20	15–25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 338 के साथ
अश्व परीक्षा	राजस्थानी	गद्य	82″×6.9″	1	75	15–25	पत्र का प्रारंभिक अंश अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य
चंद कुंवर की वार्ता	राजस्थानी	पद्य 59	5 2″×6.4″	11	8–12	18–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
चंद कुंवर की वार्ता	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	13 3″×10″	3	35–42	24–34	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
चंद नरेश का चरित्र	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	13.3″×4.3″	101	13	36–47	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
चंदन मलिया-गिरी की वार्ता	ब्रजभाषा	पद्य 193	10″×7.2″	8	19	25–35	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
200	840	चंद्रा श्रीला	मथुरादास	—	—	—	—	—
201	808	चमन बावनी	कुंवर रतनसिंह	—	—	—	—	—
202	91	चचरी	—	—	—	—	—	—
203	861	चालकरायजी को पुरातन	—	—	—	—	—	—
204	420	चिंतामनि	रामचरन दास	—	—	—	—	—
205	928	चित्तोड़ की गजल	कवि खेतल	वि सं 1748	—	आत्माराम	वि.सं. 1842	नंदवती (?)
206	739	चुगल मुख चपेटका	—	—	—	—	—	—
207	828	चुगल मुख चपेटका	—	—	—	—	—	—
208	461	चोढाल्यो	समय सुन्दर	वि सं. 1662	सांगानेर	—	—	—
209	660	चोथमानाजी री कथा	—	—	—	लोढ़ा नंदराम	वि.सं. 1900	—
210	51	चोथमानाजी री श्री गुणेश की कथा	—	—	—	—	—	—
211	577	चोरासी धौल	—	—	—	सदाशंकर	वि.सं 1925	—
212	690	चोरासी बोल	—	—	—	—	—	—
213	483	चोवीस एकादसी	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
उपदेश	ब्रजभाषा	पद्य 20	13.5"×7.5"	3	35-36	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 343 के साथ
नीती के दोहे	राजस्थानी	पद्य 46	13.5"×7.5"	4	10–12	15–20	लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 338 के साथ
श्री कृष्ण रूपवर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 16	8"×5·5"	2	18	20–25	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ पूर्ण
गांगिनी स्तुति	राजस्थानी	गद्य 9	13·5"×7.5'	2	28	20–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 345 के साथ
उपदेश	राजस्थानी ब्रजभाषा	पद्य 122	10·5"×6·7"	7	13	28–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
चित्तीड़गढ़ वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	4.6"×5"	7	12	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
चुगलखोरों की निंदा	राजस्थानी	गद्य 51	4.7"×6.4"	6	10–12	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
चुगलखोरों की निंदा	राजस्थानी	पद्य 51	3.5"×7.5"	7	8	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 342 के साथ
दान, शील, तप भावना संवाद	राजस्थानी	पद्य 101	10"×7.2"	5	19	22–30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
चोथ माता एवं गणेश कथा	राजस्थानी	गद्य	4.6"×5.5"	17	7–9	20–30	ग्रंथ पूर्ण लिपि सुपाठ्य नहीं
चोथ माता एवं गणेश कथा	राजस्थानी	गद्य	8·4"×6·1"	9	17–19	14–18	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ पूर्ण
भक्ति कथाएं	गुजराती	पद्य 100	6·4"×4·1"	19	7–9	15–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
उपदेश	ब्रजभाषा	पद्य	8.5"×9.7"	3	21–15	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
एकादशी महात्म्य	राजस्थानी	गद्य	5.8"×5·3"	36	11	10–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमाङ्क	ग्रन्थ संख्या	ग्रंथ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
214	749	चौवीस एकादसी री कथा	—	—	—	—	—	—
215	449	चौथ माता जी रो छंद	—	—	—	उत्तम विजय	वि.सं.1810	रामसी
216	137	चौथमाता री वात	—	—	—	सोनाजी	—	सांडेरा
217	465	चौवीस सती सझाय	—	—	—	—	—	—
218	37	चौरासी वैष्णवन की वार्ता	—	—	—	सानोरा तुलसीराम	वि.सं.1840	श्रीद्वार
219	706	चौरासी वैष्णवन की वार्ता	—	—	—	—	—	—
220	398	चौवीस जाति रा गीत	रतनू	—	—	—	—	—
221	832	छंद देसांतरी	व्यास कवि (?)	—	—	—	—	—
222	202	छंद रतनावली	हरिराम	—	—	—	वि.सं.1935	—
223	797	छंद रतनाम राज बलवंतसिंहजी का	देवाजी दधवाड़िया	—	—	—	—	—
224	177	छंद विवेक	जय-नारायण	वि.सं.1892	—	गोरजी मोतीराम	वि.सं.1934	बागबाना
225	181	छंद विवेक	जय-नारायण	वि.सं.1892	—	महताब सिंह	वि.सं.1933	सलूंबर

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
पद्मावती काव्य	गुजराती	पद्य	5·3″×6·8″	89	13-15	9-17	ग्रंथ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य नहीं.
पन्ना री वारता	राजस्थानी	पद्य 108	4·5″×6·5″	19	8	10-17	लिपि सुपाठ्य.पत्र सं. 1-2 अप्राप्य.
पन्ना वीरम देव री वारता	राजस्थानी	पद्य 108	13·5″×7·5″	6	18-22	8-20	प्रारम्भ के 13 छन्द अप्राप्य. ग्रं. स.336 के साथ
परमार वंश वर्णन	राजस्थानी	पद्य 11	13·5″×7·5″	2	24	20-30	ग्रंथ पूर्ण. ग्रं. सं 345 के साथ
उत्सव वर्णन	राजस्थानी	पद्य 32	10″×7″	2	17	30-35	ग्रंथ पूर्ण. प्रति जीर्ण-शीर्ण
पांडव-चरित्र	डिंगलपिंगल संस्कृत मिश्रित	पद्य 1 55	9·4″ 8·6″	105	15-19	20-30	ग्रंथ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य
पांडव-चरित्र	"	पद्य —	8·3″×10·4″	163	13-14	15-17	ग्रंथ पूर्ण
पांडव-चरित्र	"	पद्य —	10″ · 6·1″	160	10-12	25- 30	ग्रंथ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य
पांडव-चरित्र	व्रजभाषा	पद्य —	6·9″×10″	218	12-13	15-20	पत्र सं.1 अप्राप्य
पांडवों का यज्ञ	राजस्थानी	पद्य 39	8·4″×6·1″	5	19-20	16-21	ग्रंथ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य
पार्वतीविवाहोत्सव	राजस्थानी	पद्य 42	5·9″×7″	9	8-9	9-16	लिपि सुपाठ्य नहीं ग्रंथ पूर्ण
पार्श्वनाथचरित्र	राजस्थानी	पद्य 39	10·5″×6·7″	4	13-15	25-30	ग्रंथ पूर्ण.लिपि सुपाठ्य
पार्श्वनाथ स्तुति	राजस्थानी	पद्य 8	8″×4·8″	1	10 (कुल)	35-45	लिपि सुपाठ्य नहीं
उपदेश	गुजराती मिश्रित	गद्य —	10″×7·2″	6	19	28-32	ग्रंथ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य.
छंद वर्णन	राजस्थानी व्रजभाषा	पद्य 22	7·9″×12·7″	2	27-30	16-30	लिपि सुपाठ्य.ग्रंथ सं198 के साथ

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थ
436	93	पिंगल प्रकार	हमीर	वि.स.1768	—	शालिगराम	वि.सं.1888	—
437	514	पिंगल शास्त्र	सुखदेवमिश्र	—	—	—	—	—
438	724	पिंगल सार	—	—	—	—	—	—
439	501	पुण्यसार चौपई	—	—	—	—	—	—
440	555	पुराण कथा	—	—	—	—	—	—
441	836	पुष्पों की जाति नाम के दोहे	—	—	—	—	—	—
442	281	पृथ्वीराज रासो	चंद कवि	—	—	जसराज	—	—
443	389	पृथ्वीराज रासो	चंद कवि	—	—	फतहराम	वि.सं.1923	जोधपुर
444	387	पृथ्वीराज रासो	चंद वरदायो	—	—	—	—	—
445	604	पृथ्वीराज रासो	चंद वरदायी	—	—	किरपाराम	वि.सं1917	रलावस गांव
446	967	प्रणमात्र एवं अन्य	गोरखनाथ श्री दत्त आदि	—	—	—	—	—
447	386	प्रथिराज रास	कवि चंद	—	—	—	वि.सं.1836	—
448	434	प्रयाणै चालवाफल	—	—	—	—	—	—
449	8	प्रयोग कल्प	—	—	—	पं. लालचंद जति	वि.सं1998	किरात नगर
450	405	प्रवीण सागर	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
छन्दशास्त्र	राजस्थानी	पद्य 570	9·3"×11·9"	21	26-28	26-35	ग्रंथपूर्ण, पत्र सं. 152-156 जीर्ण-शीर्ण
छन्दशास्त्र	ब्रजभाषा	पद्य —	4·2"×5·2"	21	14	12-16	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि. सुपाठ्य,
छन्दशास्त्र	ब्रजभाषा	पद्य —	7"×10·5"	17	12-15	18-25	ग्रंथ अपूर्ण, ग्रंथ सं. 98 के साथ
जैन धर्म कथा	राजस्थानी	पद्य —	9·1"×4·4"	4	14-16	20-30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
पौराणिक कथा	ब्रजभाषा	पद्य —	6·1"×9·1"	4	11-13	22-26	पत्र सं. 1,73,75 एवं 77 प्राप्य
श्रृंगार वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 31	13·5"×7·5"	4	20	15-20	ग्रंथ पूर्ण, ग्रंथ सं. 343 के साथ
पृथ्वीराज चरित्र	पिंगल	पद्य —	13·2"×9·5"	286	23-36	16-30	43 से 64 प्रस्ताव तक का वर्णन
पृथ्वीराज चरित्र	"	पद्य 886	14·6"×12·4"	150	21	20-30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
पृथ्वीराज चरित्र	"	पद्य —	12·8"×8·3"	40	18-30	10-26	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
पृथ्वीराज चरित्र	"	पद्य —	8·2"×6·9"	11	15-20	14-18	ग्रंथ अपूर्ण, पत्र सं. 1,11 अप्राप्य
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य —	4·5"×5·7"	10	14	15-20	ग्रंथपूर्ण, ग्रंथ सं. 954 के साथ
पृथ्वीराज चरित्र	पिंगल	पद्य 1457	10·"×9·5"	154	18-22	20-30	लिपि सुपाठ्य
ज्योतिष विषयक	राजस्थानी	पद्य —	9·3"×4"	1	11 (कुल)	30-40	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
वैद्यक	संस्कृत राजस्थानी	गद्य —	9·8"×4"	7	9-18	32-44	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
सृष्टिवर्णन	ब्रजभाषा	पद्य —	10·5"×6·7"	2	13	28-31	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
451	271	प्रवीन सागर	प्रवीन	—	—	ओंकारनाथ	वि.सं.1935	—
452	244	प्रसन सिंगार	—	—	—	ओंकारनाथ व्यास	वि.सं.1904	—
453	913	प्रसनोतरीमाला	—	—	—	—	—	—
454	294	प्रस्तावीक दूहा सवइया	—	—	—	—	—	—
455	964	प्राण संकली	—	—	—	—	वि.सं.1819	—
456	295	प्रीत सतक	परमानंद	वि.सं.1684	—	—	वि.सं.1862	—
457	853	प्रीत सतक	परमानंद	वि.सं.1684	—	—	—	—
458	612	प्रेम पत्री	—	—	—	—	—	—
459	590	फनहप्रकाश प्रशस्ति का सूचिपत्र	—	—	—	—	—	—
460	227	फतह प्रकाश	राव वखतावर	वि.सं.1941	—	—	—	—
461	569	फारसी उर्दू शब्द कोप	—	—	—	—	—	—
462	182	फुटकर	—	—	—	—	—	—
463	757	फुटकर	—	—	—	—	वि.सं.1938	—
464	125	फुटकर कविता	—	—	—	—	विसं.1934	—
465	133	फुटकर कविता	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
राणाओं एवं सतियों का वर्णन	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 30	6.8″×4.5″	17	12	8-11	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध	"	पद्य —	6.4″×4.8″	84	10-16	12-16	विविध कवियों विरचित गीत
शृंगार वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 15	5.8″×11.1″	15	12-14	20-36	लिपि सुपाठ्य.
शृंगार एवं ऋतुवर्णन	"	पद्य —	6.3″×10″	17	12-13	25-35	ग्रन्थ अपूर्ण,
शृंगार एवं वीर वर्णन	"	पद्य 148	6.6″×8.3″	35	15	15-25	लिपि सुपाठ्य
कृष्ण गोपी चरित्र	"	पद्य —	7.3″×6.4″	6	10-12	25-30	पत्र सं 1,4,5,6 7. 10, प्राप्य
वंशावली एवं उदयपुर वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	11.1″×9.3″	18	15-29	15-36	पत्र त्रुटित, लिपि सुपाठ्य नहीं.
भक्ति के पद	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	5.9″×7″	48	11-15	10-20	लिपि सुपाठ्य नहीं
कृष्ण लीला एवं शिव स्तुति	ब्रजभाषा	पद्य —	6.5″×4.6″	7	9-15	5-15	लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति विषयक	"	पद्य —	5.8″×4.2″	22	10-12	7-10	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शृंगार भक्ति एवं नीति	राजस्थानी ब्रज एवं संस्कृत	पद्य —	5.3″×5.9″	14	7-10	15-20	विविध कवियों विरचित काव्य
भक्ति विषयक	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	4.8″×6″	24	10	18-22	ग्रन्थ अपूर्ण, प्रति जीर्ण-शीर्ण
शिव स्तुति	ब्रजभाषा	पद्य —	5.6″×4″	20	9-10	5-10	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति एवं शृंगार	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	4.6″×5.5″	30	5-8	15-20	लिपि सुपाठ्य नहीं.
शृंगार एवं अन्य	"	पद्य —	4.9″×6.5″	20	8-9	15-20	लिपि सुपाठ्य नहीं

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
496	774	फुटकर काव्य	—	—	—	—	वि.स.1926	जाजपुर
497	700	"	—	—	—	—	—	—
498	937	"	—	—	—	—	—	—
499	929	"	—	—	—	—	—	—
500	608	"	बुधवंत	—	—	—	—	—
501	614	"	बुधवंत	—	—	—	—	—
502	372	फुटकर काव्य संग्रह	—	—	—	—	—	—
503	503	"	—	—	—	—	वि.सं. 1936-39	—
504	568	"	—	—	—	—	—	—
505	611	"	—	—	—	—	—	—
506	682	"	—	—	—	—	—	—
507	696	"	—	—	—	—	—	—
508	702	"	—	—	—	—	—	—
509	102	फुटकर गीत	—	—	—	—	—	—
510	399	"	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
भक्ति के पद	ब्रजभाषा	पद्य 34	10·8"×6·8"	4	9-23	15-25	लिपि सुपाठ्य, ग्रन्थ सं. 257 के साथ
भक्ति वीर एवं अन्य	राजस्थानी एव ब्रज	पद्य —	9·1"×6"	9	16-20	15-20	प्रति जीर्ण शीर्ण ग्रन्थ अपूर्ण.
कृष्ण चरित्र	ब्रजभाषा	पद्य —	5"×6·5"	21	7-10	10-25	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
कृष्ण लीला	"	पद्य —	4·6"×5"	8	11-12	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रन्थ सं. 929 के साथ
शृंगार वर्णन	"	पद्य —	8·5"×6·5"	47	20-22	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण. लिपि सुपाठ्य
इतिहास विषयक	"	पद्य —	7·9"×6·1"	37	18-20	17-24	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति, वीर एवं शृंगार	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	9·6"×6·5"	98	10-20	10-20	लिपि सुपाठ्य
भक्ति के पद	"	पद्य —	8·8"×6"	117	8-13	10-25	विविध कवियों विरचित काव्य,
भक्ति एवं उपदेश	ब्रजभाषा	पद्य 77	4·8"×8·9"	13	18-20	10-50	(पेंसिल से लिखित)
विविध	राजस्थानी एव ब्रज	पद्य —	4·3"×5·3"	16	7-10	8-13	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध	राजस्थानी	पद्य —	5·2"×6·4"	21	8-12	20-25	ग्रन्थ अपूर्ण. लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य —	7"×5·5"	15	11-15	10-20	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि भेद
फाग वर्णन एवं शृंगार	"	पद्य —	12.6"×5.5"	28	23-35	10-15	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
विविध	राजस्थानी	पद्य —	8"×6·5"	46	12-16	12-25	लिपि सुपाठ्य
विविध	"	पद्य —	10·5"×6·7"	8	13-15	25-30	लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
511	713	फुटकर गीत	—	—	—	—	—	—
512	716	"	—	—	—	—	—	—
513	932	"	—	—	—	—	—	—
514	220	फुटकर गीत कवित्त	—	—	—	—	—	—
515	730	"	—	—	—	—	—	—
516	224	फुटकर गीत दोहा	—	—	—	—	—	—
517	574	फुटकर गीत	—	—	—	—	—	—
518	729	फुटकर चौपाई, दोहे	—	—	—	—	—	—
519	254	फुटकर छंद	वख्तावर	वि.सं.1913 -42	—	—	—	—
520	518	फुटकर डिंगल काव्य	—	—	—	—	—	—
521	242	फुटकर डिंगल गीत,एवं कवित्त	—	—	—	आसीया गोरादान	वि.सं.1918	—
522	307	फुटकर डिंगल गीत दूहा	—	—	—	—	—	—
523	588	फुटकर ढाल	—	—	—	—	—	—
524	456	फुटकर तंत्र, मंत्र	—	—	—	—	—	—
525	906	फुटकर नुस्खे	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
वविध	राजस्थानी	पद्य —	11·1"×9·3"	39	15-28	16-20	लिपि भेद, लिपि सुपाठ्य. ग्रन्थ सं 92 के साथ.
देवियों के गीत एवं अन्य कवित्त	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	11·1"×9·3"	5	15-37	10-42	लिपि भेद, ग्रन्थ सं 92 के साथ
विविध	राजस्थानी	पद्य —	6·4"×9·9"	17	10-20	10-16	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि भेद
विविध	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	8·2"×6·4"	27	9-14	12-16	लिपि सुपाठ्य, नहीं.
भक्ति विषयक	"	पद्य —	5,2"×6·6"	37	6-10	11-16	ग्रन्थ सं. 121 के साथ सभी पत्र खंडित
राणाओं एवं उमराओं से संबद्धित	"	पद्य —	11·6"×9·4"	35	16-21	15-27	विविध कवियों विरचित काव्य,
ऐतिहासिक गीत	राजस्थानी	पद्य —	6·4"×6·5"	96	8-10	8-12	ग्रन्थ अपूर्ण, जीर्ण-शीर्ण
भागवत से संबद्ध रचना	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	2·4"×4·6"	52	5	13-20	भागवत के कथा. ग्रन्थ सं. 118केसाथ
महाराणाओं से विविध गीत	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	12·1"×7·8"	39	18-27	15-32	लिपि सुपाठ्य,
विविध	राजस्थानी	पद्य —	9·2"×6·3"	33	15-20	8-15	प्रति जीर्ण-शीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
राजाओं व ठाकूरों के गीत	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	5·5"×9"	42	5-18	10-15	विविध कवियों के गीत ग्रन्थ क्रम बह नहीं.
विविध गीत, व दोहे	राजस्थानी	पद्य —	10·2"×6·3"	99	13-20	10-20	विविध कवियों के गीत, सुपाठ्य नहीं
जैन भक्ति	राजस्थानी	पद्य —	6·1"×6·2"	28	10-12	15-20	लिपि सुपाठ्य नही.
मंत्र तंत्र	राजस्थानी	गद्य —	10·"×7·2"	1	19	30-35	लिपि सुपाठ्य.
आयुर्वेद	राजस्थानी	गद्य —	10·"×7·2"	3	19	28-35	सुपाठ्य. अंत में संस्कृत में "वरषसकुनावली" ग्रन्थ

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
526	111	फुटकर पद	—	—	—	—	—	—
527	942	फुटकर पद	—	—	—	—	—	—
528	974	फुटकर पद	—	—	—	—	—	—
529	87	फुटकर पद्य	—	—	—	—	—	—
530	156	फुटकर पद्य	—	—	—	—	—	—
531	218	फुटकर पद्य	राव बख्तावर	—	—	—	—	—
532	537	फुटकर भजन	—	—	—	—	—	—
533	443	फुटकर मंत्र	—	—	—	—	—	—
534	622	फुटकर मंत्र	—	—	—	—	—	—
535	595	फुटकर मन्त्र एवं ढाल	—	—	—	—	वि.सं.1943	—
536	482	फुटकर मन्त्र-तंत्र	—	—	—	—	—	—
537	88	फुटकर रचना	—	—	—	—	—	—
538	145	फुटकर रचना	—	—	—	नरसिंह दास खिड़िया	—	—
539	573	फुटकर सवैये	—	—	—	—	—	—
540	658	फुलवतीका	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
भक्ति एवं उपदेश	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	4.5"×6"	37	13–15	14–20	क्रमबद्धता नहीं, विविध कवियों विरचित पद
भक्ति विषयक	ब्रज भाषा	पद्य —	5.2"×6 8"	8	7–10	12–15	ग्रंथअपूर्ण, लिपिसुपाठ्य नहीं
भक्ति एवं उपदेश	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	8.4"×6.2"	46	10–12	10–15	ग्रंथअपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
नौकार भेद (जैन) एवं अन्य	राजस्थानी एवं संस्कृत	पद्य —	6.2"×4.5"	6	10–14	11–15	लिपि सुपाठ्य नहीं, पत्र जीर्ण-शीर्ण
विविध	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	9.2"×6"	66	10–30	12–20	विविध कवियों विरचित काव्य, लिपि भेद, लिपि सुपाठ्य नहीं
महाराणा सज्जन सिंह से संबद्ध छंद	राजस्थानी	पद्य —	6.4"×9.4"	37	9–11	19–28	लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति (तुलसी, मीरा के पद आदि)	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	6.5"×4.6"	8	7–16	12–15	लिपि सुपाठ्य नहीं
मंत्र-तंत्र	मिश्रित	गद्य	10"×7.4"	1	11–19	30–34	लिपि सुपाठ्य नहीं
मंत्रादि	संस्कृत, ब्रज एवं राजस्थानी	गद्य	8.5"×4.3"	2	17–19	13–15	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
मंत्र एवं जैन धर्म विषयक	राजस्थानी	पद्य —	4.5"×7.8"	8	14–16	24–26	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
मंत्रादि विषयक	राजस्थानी	गद्य	18.3"×9.6"	1	32–42	20–30	लिपि सुपाठ्य नहीं,
भक्ति के छंद एवं अन्य दोहे	राजस्थानी	पद्य —	4.4"×6"	66	7–11	8–22	लिपि भेद, लिपि सुपाठ्य नहीं, प्रति जीर्ण-शीर्ण
विविध (काव्य एवं आयुर्वेद विषयक)	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	10"×6.5"	61	14–24	10–16	लिपि सुपाठ्य नहीं, कुछ पत्र त्रुटित
श्रीकृष्ण गोपी लीला	ब्रजभाषा	पद्य —	7.3"×6.4"	4	12	22–30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, पत्र सं.2,3,8 एवं 9 प्राप्य
पुष्प वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	4"×6"	6	13–14	10–20	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, (अंतिम 6 पत्रों पर फुटकर काव्य)

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
541	473	फूलचितवणी	—	—	—	—	—	—
542	593	फूलचितवणी	—	—	—	—	—	उदयपुर
543	393	फूलजी फुलवंती री वात	—	वि.सं.1852	—	सांवलदान आशिया	वि सं.2000	—
544	453	बड़ो चितामण	—	—	—	माणक विजय जति	वि सं.1811	—
545	246	वत्तीस लक्षण	—	—	—	—	वि.सं.1905	—
546	732	वदर वत्तीसी	—	—	—	—	—	—
547	511	बद्री अशतुत	प्रहलाद भाट (?)	—	—	—	—	—
548	867	वमेक वार्ता की नीसाणी	केशवदास गाडण	—	—	—	—	—
549	715	वरद सणगार	कविया-करणीदान	—	—	—	—	—
550	238	बान साहेव राहिब की	—	—	—	माधोसिह	—	—
551	677	वारखडी संग्रह-एव अन्य	दत्तलालएवं मेहरचद	—	—	—	—	—
552	516	वारखरे के दोहा	चितामणि	—	—	—	—	—
553	138	वारमासीयो	—	—	—	—	—	—
554	750	वारमासीयो	जीनहरख	—	—	—	—	—
555	815	वारहट श्री नरहरदासजीरा कवित्त	सांवलोत	—	—	हींदूसिंघ	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/ पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
पुष्प वर्णन	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 31	9.5"×7"	2	17	18-36	प्रति जीर्ण शीर्ण, प्रारंभ में पुष्पों के नामों की तालिका
पुष्प वर्णन	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 31	8.5"×7.6"	2	16-22	20-30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
फुलवंती की वार्ता	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	12.8"×8.2"	22	32	7-20	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
आयुर्वेद विषयक	राजस्थानी	गद्य	9.8"×7.3"	16	16-17	25-35	लिपि सुपाठ्य, प्रति जीर्ण शीर्ण
वैष्णवों के बत्तीस लक्षण	ब्रजभाषा	गद्य	7"×9.4"	11	24	22-26	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
गोला राजपूतों का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 36	4.7"×6.4"	8	8-10	9-14	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रंथ सं.124के साथ
भक्ति विषयक	राजस्थानी	पद्य —	4.7"×7.5"	8	7-10	12-18	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्तिनीति विषयक	राजस्थानी	पद्य 31	13.5"×7.5'	9	25-32	15-20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 346 के साथ
महा अभयसिंह का युद्ध वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	11.1"×9·3"	8	22	18-23	ग्रंथ अपूर्ण, लिपिसुपाठ्य ग्रंथ सं. 92 के साथ
गजनी के जलाल गोरी सेसंबद्धवार्ता	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	12.2"×9"	8	22-25	20-30	लिपि सुपाठ्यनहीं, अंतिम पत्र जीर्ण-शीर्ण
भक्ति विषयक (वर्णक्रमानुसार छंदारंभ)	ब्रजभाषा	पद्य —	6.5"×8"	16	12-16	20-30	लिपि सुपाठ्य, दो बारह खड़ी संग्रह एवं फुटकर काव्य
भक्ति विषयक (वर्णक्रमानुसार छंदारंभ)	ब्रजभाषा	पद्य 33	5.5"×4.7"	6	10-12	8-12	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
नेम राजमती का विरह वर्णन	राजस्थानी	पद्य 16	7.7"×6"	2	8-10	16-24	लिपि सुपाठ्य, लिपि भेद
रानी राजल का विरह वर्णन	राजस्थानी	पद्य 13	7.7"×6"	2	8-10	16-24	लिपि सुपाठ्य, लिपिभेद ग्रंथ सं. 138 के साथ
नरहरदास बारहठ से संबद्ध छंद	राजस्थानी	पद्य 30	13.5"×7.5"	4	20-24	15-20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ संख्या 340 के साथ

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
556	535	वारहमासी	—	—	—	—	—	—
557	634	वारहमासी	—	—	—	—	—	—
558	812	वारहमासी रा कुंडलिया	—	—	—	—	—	—
559	52	वारामासी	—	—	—	—	—	—
560	668	वारामासी	—	—	—	—	—	—
561	817	वालमीक लीला पांडव जग	गोपाल हरि	—	—	—	—	—
562	798	वावन अखरी	वारहठ माधोदास	—	—	—	—	—
563	90	वाहु विलास	महा. राज-सिंह	—	—	—	—	—
564	939	वाहु विलास	महा. राज-सिंह	—	—	—	वि.सं.1851	—
565	907	विचार माल	नरोत्तम (?)	वि.सं.1726	—	—	—	—
566	392	विन्है रासो	महेसदास	—	—	—	वि.सं.1876	इन्द्रगढ़
567	28	विरद सिणगार	—	—	—	गिरधरी-लाल दशोरा	वि.सं.1864	उदयपुर
568	241	विरद सिणगार	कविया करणीदान	—	—	अनूपचन्द	वि.सं.1926	लुसाणी
569	890	विरद सिणगार	कविया करणीदान	—	—	कृपाराम	वि.सं.1913	जोधपुर
570	171	विहारी सतसई	विहारी	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
वियोग शृंगार वर्णन	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 12	6.5"×4.6"	3	12-13	14-16	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति विषयक	राजस्थानी एवं खड़ी बोली	पद्य 12	6"×8.4"	3	8-9	18-25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
बारह मास वर्णन	राजस्थानी	पद्य 28	13.5"×7.5"	14	12	12-17	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 338 के साथ
बारह मास वर्णन	राजस्थानी	पद्य 13	8.4"×6.1"	3	19	16-19	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
बारह मास वर्णन के साथ शृंगार वर्णन	राजस्थानी	पद्य 9	4.9"×6.5"	3	8-9	15-20	ग्रंथअपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
संत-महिमा (कृष्ण अर्जुन संवाद)	ब्रजभाषा	पद्य 39	13.5"×7.5"	7	30-32	7-12	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 342 के साथ
भक्ति विषयक	राजस्थानी	पद्य 35	13.5"×7.5"	3	28-32	20-30	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 336 के साथ
जरासंध-कृष्ण का युद्ध वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 187	8"×5.5"	14	18	20-25	ग्रंथअपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कृष्ण-जरासंध युद्ध वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 233	8.8"×7"	33	14	12-16	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति एवं उपदेश	ब्रजभाषा	पद्य 214	6.5"×2.4"	17	9	25-30	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
परमत एवं अन्य युद्ध वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	12.5"×7"	285	6-15	10-20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अमरसिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य 136	10.5"×9.6"	6	20	23-33	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अमरसिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	5.5"×9"	9	18-20	10-20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अमरसिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य 134	9.6"×6.5"	12	15-20	10-20	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 372 के साथ
भक्ति, नीति, शृंगार एवं ऋतु वर्णन	ब्रजभाषा	672	8.7"×6.4"	33	21	18-24	ग्रंथ अपूर्ण, लिपिसुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
571	927	विहारी सतसई	विहारी	—	—	—	वि.सं 1863	—
572	229	विहारी सतसईकी टीका हरिप्रकास	हरिचरण-दास	वि.सं.1834	—	ग्रंत्रिकेश्वर जोशी	वि सं.1865	वंशपुर
573	971	वीड़द धारण	—	—	—	—	—	—
574	656	वीरमदे पत्ता की वात	—	—	—	—	—	—
575	280	वुढ़ापा री ढाल	चंद	वि.सं.1832	—	मुनिज्ञान विजय	वि.सं.1881	—
376	477	वुद्धिरास	शालिभद्र सूरि	—	—	—	—	—
577	818	वृंदावन सत	—	—	—	—	—	—
578	691	वृज चरित्र	चरनदास	—	—	—	—	—
579	646	वृहस्पति विचार	—	—	—	तिवारी भीखा नखी-राम (?)	वि.सं.1837	—
580	842	वेंत ठाकुरां श्री देवीसिंहजी री	भादा कृपाराम	—	—	—	—	—
581	880	वेत महाराणा जी श्री सभुसिंघजी	वखतावर सिंह	वि.सं.1921	—	—	—	—
582	846	वेदुहावेत	बारहठ दुग्गादत्त	—	—	—	—	—
583	234	व्रजनी दानलीला	व्रह्मानद	—	—	त्रिभुवन-तिवारी	वि.सं.1918	—
584	291	व्रजराज पदावली	जवानसिंह	—	—	—	—	—
585	270	व्रजराजपद्यावली	जवानसिंह	वि.स.1883	—	—	वि.सं.1927	पुर

रचना विषय	भाषा	गद्य/ पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
शृंगार, भक्ति एवं नीति	व्रजभाषा	पद्य 697	8.2"×5.7"	51	17	12–16	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य (पत्र सं. 1 अप्राप्य)
बिहारी सतसई की व्याख्या	व्रजभाषा	पद्य 714 एवं गद्य	8.5"×11.5"	112	20–30	15–30	ग्रंथपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	व्रजभाषा	पद्य 20	4.5"×5.7"	3	14	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपिसुपाठ्य ग्रंथ सं. 954 के साथ
पन्ना वीरमदेव की वार्ता	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	4"×6"	145	12–13	10–20	प्रारंभिक अंश अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य नहीं
वृद्धावस्था में विवाह का वर्णन	राजस्थानी	पद्य —	4.9"×4.8"	28	9–12	10–15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
उपदेश (जैन)	राजस्थानी	पद्य —	9.2"4.3"	1	15	35–45	प्रारंभ के 39 छंद अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य नहीं
वृंदावन महिमा	व्रजभाषा	पद्य 104	13.5"×7.5"	7	28–30	8–12	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 342 के साथ
श्री कृष्ण चरित्र	व्रजभाषा	पद्य —	8.5"×9.7"	3	15–16	15–25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं, प्रारंभिक अंश अप्राप्य
ज्योतिष	राजस्थानी	गद्य	9.3"×10.3"	4	13–16	20–25	प्रति जीर्ण-शीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
देवीसिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13.5"×7.5"	3	28–30	15–20	लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 343 के साथ
तीज-वर्णन	व्रजभाषा	पद्य —	13.5"×7.5"	12	30	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 348 के साथ
ईसरदा के ठाकुर रघुनाथसिंह का चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13.5"×7.5"	7	31–32	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य ग्रंथ सं. 343 के साथ
कृष्ण की मक्खन लीला	गुजराती	पद्य 12	5.3"×6.8"	8	13–15	8–13	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति एवं शृंगार	व्रजभाषा	पद्य 161	10.6"×7.1"	31	14–20	10–16	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति एवं शृंगार	व्रजभाषा	पद्य —	7.3"×5.7"	47	14–18	14–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
586	277	व्रजराज पद्यावली	जवानसिंह	वि सं.1883	—	—	वि.स. 1992	—
587	427	व्रजषीलण	—	—	—	—	—	—
588	726	भंवर गीता	—	—	—	—	—	—
589	309	भक्तमाल	नाभादास	—	—	—	—	—
590	972	भगत पचीसी	केशव (?)	—	—	—	—	—
591	686	भगवत गीता की टीका	मकरंद	—	—	चारण लछ बाई	वि.सं 1907	—
592	301	भजन भडाका तथा दीनजी का दूहा	दीनजी	—	—	—	वि सं.1950	—
593	645	भड़ली वचन	—	—	—	—	—	—
594	249	भर्तृहरिशतक भाषा	महा.प्रताप-सिंह	वि.सं.1852	जयपुर	देवराम सुखवाल	वि.सं 1907	—
595	257	भर्तृहरिशतक भाषा	महा.प्रताप सिंह	वि.सं.1852	जयपुर	व्राह्मण सीताराम	वि सं.1921	कपासन
596	950	भर्तृहरिसत	महा.प्रताप-सिंह	—	—	—	—	—
597	26	भवन दीपक	—	—	—	—	—	—
598	644	भवन दीपक	—	—	—	—	—	—
599	62	भवर गीता	रसिक राय	—	—	—	—	—
600	875	भवानी संकरजी रोगुण सिवपूराण	गाडण आईदान	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/ पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
भक्ति एवं शृंगार	ब्रजभाषा	पद्य 268	6"×4.1"	69	9	17–23	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भूत प्रेतादि से संबद्ध मंत्र	राजस्थानी	गद्य	9.5"×5"	1	12	20–35	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
गोपी-उद्धव संवाद	ब्रजभाषा	पद्य 102	4.4"×6"	13	8–10	15–21	प्रारंभ के दो पत्र अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य नहीं ग्रंथ सं. 116 के साथ
भक्त महिमा	ब्रजभाषा	पद्य 119	8.5"×5.9"	39	21–25	14–21	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, पत्र सं. 29 से 33 अप्राप्य
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य 25	4.5"×5.7"	6	14	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं. 954 के साथ
भागवत कथा	ब्रजभाषा	पद्य —	8.5"×9.7"	46	15-16	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति विषयक	उर्दू मिश्रित राजस्थानी	पद्य —	8.3"×6.9"	30	16	11–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
ज्योतिष विषयक	राजस्थानी	पद्य —	9.3"×10.3"	23	14–15	20–30	प्रति जीर्ण-शीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
शृंगार, नीति और वैराग्य वणन	ब्रजभाषा	पद्य 305	7"×9.4"	29	19	18–22	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शृंगार, नीति और वैराग्य वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 305	10.8"×6.8"	29	22	15–20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शृंगार, निति और वैराग्य वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 294	6.2"×9.5"	30	12	25–30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य अंतिम पत्र अप्राप्य
रोगों के लक्षण एवं उपचार (वैद्यक)	राजस्थानी	गद्य	10.5"×4.3"	5	9	26–31	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
ज्योतिष विषयक	राजस्थानी	गद्य	9.3"×10.3"	12	16–22	30–35	प्रति जीर्ण-शीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
ब्रज में उद्धव का गोपियों को उपदेश	ब्रजभाषा	पद्य 131	4.7"×5.8"	10	11–13	15–25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शिव चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13.5"×7.5"	24	25–30	10–20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, ग्रंथ सं 347 के साथ

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
601	915	भागवत गीता री टीका	—	—	—	वैष्णव मुकुंददास	वि.सं.1901	उदयपुर
602	39	भागवत भाषा	हरिवल्लभ	—	—	—	—	—
603	40	"	हरि सुख	—	—	—	—	—
604	41	"	—	—	—	—	—	—
605	10	भागवत महापुराण	—	—	—	—	—	—
606	251	भागवत महापुराण भाषा	चतुरदास	वि.सं.1652	—	—	—	—
607	265	भाषा भूषण	महा. जसवंत सिंह	—	—	—	—	—
608	366	"	—	—	—	—	वि.सं. 1912	—
609	211	भाषा भूषन टीका	हरिचरण दास	वि.सं.1834	—	अमरचंद पालीवाल	वि.सं.1910	उदयपुर
610	284	"	"	वि.सं.1834	—	मिट्ठालाल	वि.सं.1962	उदयपुर
611	493	भाषा राजनीत	उम्मेद	—	—	सूरजबख्श शर्मा	वि.सं1960	—
612	290	भीम प्रकाश	आढ़ा किसना	वि.सं.1879	—	नरहरिदास	वि.सं1935	—
613	123	भीम विलास	किसना आढ़ा	वि.सं.1879	—	—	वि.सं1964	—
614	286	भीम सिंघ जी को रुपग	आढ़ा किसना	वि.सं.1879	—	—	—	—
615	248	भूगोल पुराण	—	—	—	ओंकारनाथ व्यास	वि.सं.1906	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
श्री मद्भागवत की टीका	व्रजभाषा	गद्य	5·9"×7·9"	49	12	20-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
श्री मद्भागवत की कथाएं	"	पद्य —	12·5"×5·7"	102	11-12	31-42	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
दसम् स्कंध की कथाएं	"	पद्य —	12 6"×5·8"	31	10	36-43	पत्र सं 1-122 अप्राप्य लिपि सुपाठ्य
ग्यारवें स्कंध की कथाएं	"	पद्य —	12·6"×5 8"	81	10	32-44	पत्र सं 10, 14' 36, 15,73, 84,111 एवं 112 अप्राप्य
छठे, सातवें, आठवें एवं नवें स्कंध की कथाएं	राजस्थानी	गद्य	10"×5·8"	185	16-18	27-35	प्रति जीर्ण-शीर्ण लिपि सुपाठ्य
ग्यारवे स्कंद की कथाएं	व्रजभाषा	पद्य —	8·2"×9·8"	110	14-18	20-30	लिपि भेद, प्रति जीर्ण शीर्ण
रस अलंकारादि	"	पद्य 210	8 8"×7·2"	11	15	22-32	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
"	"	पद्य "	8·7"×7·2"	14	20	11-18	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भाषा भूषण की टीका	"	पद्य 498 एवं गद्य	9·4"×6"	79	18	11-16	ग्रन्थ पूर्ण, प्रारंभ में गणेश जी का चित्र
"	"	पद्य 487 एवं गद्य	11"×7"	49	11	30-45	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
राजनीति	"	पद्य 8	7·1"×5·4"	2	7-8	10-15	केवल अन्तिम दो पत्र प्राप्य
महाराणा भीम सिंह चरित्र	"	पद्य 731	13.2"×9.9"	125	20-26	16-25	ग्रन्थ अपूर्ण, पत्र सं 30 अप्राप्य
"	"	पद्य 728	8·3"×13·4"	120	23	17-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 717	10·7"×7"	202	19-21	8-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
सृष्टि वर्णन	राजस्थानी एवं व्रज	गद्य	7"×9·4"	11	24	18-26	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य,

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
616	47	भैंचितामणी	लालदास	—	—	—	—	—
617	274	भोगल पुराण	—	—	—	—	—	—
618	472	भोजन कतूहल	सुंदर(?)	—	—	—	वि.सं 1811	—
619	44	भोजन करवा की करीया	—	—	—	घासीराम	वि.सं1920	—
620	529	भ्रमर गीत के कीर्तन	सूरदास	—	—	—	—	—
621	462	मंगल गीत प्रबंध	रुपचंद	—	—	—	—	—
622	556	मत्र-तंत्र	—	—	—	—	—	—
623	143(ii)	मंत्र नवकुली नाग रो	—	—	—	—	—	—
624	917	मजलस सिछा	—	वि.सं.1790	—	—	—	—
625	66	मधु मालती	चतुरभुज दास	—	—	—	—	—
626	303	"	"	—	—	जोशीकृष्ण दास	वि सं1767	उदयपुर
627	866	"	चत्रभुज	—	—	सांवलदान आशिया	वि.सं2004	—
628	894	मधुमालती कथा	—	—	—	—	—	—
629	454	मधुमालती की चौपाई	चतुर्भुज दास	—	—	—	—	—
630	838	मनसमजोतरी	दयाराम	वि सं.1921	—	दयाराम भाट	वि.सं1944	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
मोह, माया एवं कष्टों का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 79	8.4"×6.1"	5	20	14-19	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
सृष्टि वर्णन	राजस्थानी एवं ब्रज	गद्य	4.1"×6"	6	10-11	17-25	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
खाद्य पदार्थों का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 31	9.6"×6.7"	3	17	17-32	लिपि सुपाठ्य प्रति जीर्ण-शीर्ण
पुलाव बनाने की प्रक्रिया	"	गद्य	8.4"×6.5"	45	15	17-23	ग्रन्थ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य.
गोपी-उद्धवसंवाद	ब्रजभाषा	पद्य —	9.2"×5.1"	24	22-26	15-25	ग्रंथ अपूर्ण. लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 25 गीत	10"×7.2"	4	19	20-30	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
मंत्र-तंत्र आदि	संस्कृत एवं ब्रज	पद्य —	8.2"×4.4"	2	19-23	11-16	लिपि सुपाठ्य नहीं.
तंत्र-मंत्र एवं नाग वंशावली	ब्रजभाषा	गद्य पद्य मिश्रित	10"×6.5"	29	15-24	10-16	ग्रन्थ पूर्ण,
सभा संबधी आचार शिक्षा	"	पद्य 198	5.4"×4"	31	10	10-15	ग्रन्थ स 917 केसाथ
मधुमालती कथा	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	6.8"×9.2"	102	16-21	20-37	99 चित्र पत्र स. 17 19 63 65 76 78 80 81 82 86 111 113 114 अप्राप्य
"	ब्रजभापा एवं राज.	पद्य 795	9.9"×6"	37	23-27	17-25	ग्रन्थ पूर्ण. लिपि सुठ्पाय
"	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 904	13.5"×7.5"	37	24-30	20-30	ग्रन्थ सं 346केसाथ
"	"	पद्य —	11"×8"	30	10-15	25-35	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि ग्रन्थ सं 434 केसाथ
"	"	पद्य 930	10"×7.4"	32	18-20	30-40	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
मन को चेतावनी	राजस्थानी	पद्य 101	13.5"×7.5"	6	32-36	15-20	लिपि सुपाठ्य, ग्रन्थ सं 343 के साथ

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपि
631	459	महवाई सासत्र	—	—	—	—	—	—
632	657	महरमजेज की वात	—	—	—	—	—	—
633	112	महादेव को व्याहलो	—	—	—	—	—	—
634	854	महाराणा अजीत सिंघ जी श्री दवावैत	द्वारिकादास धधवाड़िया	वि.सं.1772	—	—	—	—
635	232	महाराणा फतह सिंह जी रा रुपक	वखतावर	वि.सं.1941	—	—	—	—
636	221	महाराणा शंभु सिंहजी की झमाल	राव वखता-वर	वि.सं.1919	—	—	वि.सं.1921	—
637	222	महाराजा शंभु सिंहजी की वेत	"	—	—	—	वि.सं. 1921	—
638	870	म.श्री फतहसिंह रीपुस्तप्रनालिका	—	—	—	—	—	—
639	217	म. सज्जन सिंह की झमाल	राव वख्ता-वर	वि.सं.1931	—	—	—	—
640	99	मादेव जी की बारखड़ी	—	—	—	—	—	—
641	263	मान मंजरी	नंददास	—	—	अमृतलाल	वि.सं1941	
642	261	"	"	—	—	—	—	—
643	605	"	"	—	—	—	—	—
644	976	"	"	—	—	—	—	—
645	408	मान मंजरी को कलस	"	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद स.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
वि.सं.1801 से 1901 तक की भविष्य वाणी	राजस्थानी	पद्य 51	10"×7·2"	3	19	25-30	ग्रंथ पूर्ण लिपि सुपाठ्य
महर मजेज वार्ता	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	4"×6"	25	12-13.	10-20	लिपि सुपाठ्य नहीं
महादेव पार्वती विवाह	ब्रजभाषा	पद्य 26	4 5"×6"	5	12-15	14-20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य,
महाराजा अजीत सिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·5"×7·5"	4	24-36	15-30	ग्रन्थ सं. 344 के साथ
महा. फतहसिंह चरित्र	ब्रजभाषा	पद्य —	10·4"×6·5"	6	14-17	11-21	ग्रंथ अपूर्णलिपि भेद
महा. शंभु सिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य 37	11·6"×9·4"	5	18-19	18-28	ग्रन्थ पूर्ण लिपि सुपाठ्य
शंभु सिंह चरित्र एवं तीज वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य —	"	2	18	18-24	"
महा. फतह सिंह वंश वर्णन	"	पद्य 23	13·5"×7·5"	2	27-34	15-20	ग्रंथ सं. 346 के साथ
महा. सज्जन सिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य 36	6·4"×9·4"	8	7-9	19-27	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
र्णक्रम से छंदों उपदेश	राजस्थानी	पद्य 32	5·3"×6·7"	5	10-11	14-19	लिपि सुपाठ्य, अंतिम पत्र अप्राप्य
र्यायनाम	ब्रजभाषा	पद्य 265	8·8"×7·2"	15	15	18-26	ग्रन्थ अपूर्ण लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 358	"	26	15	18-26	"
"	"	पद्य 264	11"×5·9"	15	12	28-35	"
"	"	पद्य 250	8·4"×6·2"	35	12-14	12-18	ग्रंथ अपूर्ण ग्रंथ सं. 975 के साथ
भक्ति विषयक	"	पद्य —	10·5"×6·7"	2	13	28-30	ग्रंथ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
646	104	मान मंजरी नाम माला	नंददास	—	—	स्वरुपचंद	—	—
647	361	मान माधुरी	माधुरीदास	—	—	—	—	—
648	733	मावड़िया मिजाज	—	—	—	—	—	—
649	788	"	वांकीदास	—	—	—	—	—
650	826	"	"	—	—	—	—	—
651	433	मास वारे संक्रांत रो फल	—	—	—	—	—	—
652	712	माहादेव जी को सतोती	—	—	—	व्रजलाल सुराणा	वि सं1893	श्री जी द्वारा
653	538	मुरखावली	—	—	—	—	—	—
654	150	मृग संवाद	—	—	—	उपाध्याय खेता	वि.सं1821	—
655	395	मेवाड़के राजाओं की राणियें कुंवर, कुंवरियों का हाल	—	—	—	—	—	—
656	396	मेवाड रे परगना रो वीवरो	जसोतसिंह आसिया	वि.सं.1860	—	—	—	—
657	53	मेहता नरसी री हुंडी	रतनसाधु	—	—	—	—	—
658	68	मोजदीन महताव की वात	—	—	—	—	वि.सं1912	—
659	586	मोहजीन (?)	—	वि सं.1937	—	—	—	—
650	827	मोह मरदन	वांकीदास	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
पर्यायनाम	ब्रजभाषा	पद्य 289	6·4"×4·8"	40	10-16	8-13	ग्रन्थ पूर्ण पत्र सं 48 पर एक चित्र
कृष्ण चरित्र एवं श्रृंगार वर्णन	"	पद्य 39	10·8"×7·5"	6	19	14-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
मारवाड़ी महाजनों का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 86	4·7"×6·4"	14	8-10	10-15	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रन्थ सं 124 के साथ
"	"	पद्य 77	12·2"×9·5"	3	27-30	25-35	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रन्थ सं 310 के साथ
"	"	पद्य 86	13·5"×7·5"	11	8	15-20	ग्रन्थ सं. 342 के साथ
संक्रान्ति फल वर्णन	"	गद्य	9·4"×4·1"	1	21 (कुल)	40-80	ग्रन्थ पूर्ण
शिव स्तुति	"	पद्य 10	6·2"×4·5"	4	8-12	12-15	ग्रन्थ सं. 86 के साथ
मूर्ख लक्षण	ब्रजभाषा	गद्य	6·5"×4·6"	2	11-12	10-15	लिपि सुपाठ्य नहीं
उपदेश कथाएं	राजस्थानी	पद्य 558	5"×5·7"	40	11-12	12-16	ग्रन्थ का अपर नाम ईश्वरतणी कथा
मेवाड़ राजघराने का पारिवारिक विवरण	"	गद्य	12"×8"	9	15-25	10-30	लिपि सुपाठ्य म. हम्मीर से फतहसिंह तक
मेवाड़ के परगनों का विवरण	"	गद्य	19"×6"	17	7-17	11-15	ग्रन्थ अपूर्ण, प्रति जीर्ण शीर्ण
भक्त नरसी की कथा	"	पद्य 49	8.4"×6.1"	4	20	15-19	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य,
कथा	"	पद्य 105	8·1"×5·8"	8	15	14-19	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
जैन कथा	"	पद्य —	6·1"×6·2"	9	10-12	15-20	अंतिम नो पत्र प्राप्य
मोहमर्दन संबंधी उपदेश	"	पद्य 39	13·5"×7·5"	5	8	15-20	ग्रन्थ सं 342 के साथ

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
661	779	मोह मरदन	बांकीदास आसिया	—	—	आढ़ा किसना	वि.सं.1878	—
662	741	मोह मर्दन	—	—	—	—	—	—
663	100	म्रग कणेत की कथा	चतुर्भुज जोशी	वि.सं.1600	—	जीवराज जोशी	वि.सं.1903	—
664	902	यशद् युद्धि	पं. मनोहर विजय	—	—	—	—	—
665	219	रघुनाथ रूपक	मंछाराम	वि.सं.1863	जोधपुर	डुगाराम ब्राह्मण	वि.सं.1892	—
666	308	रघुनाथ लीला	माधवदास	—	—	—	—	—
667	305	रघुवर जस प्रकास	किसना आढ़ा	वि.सं.1881	उदयपुर	चिमनराम	वि.सं. 1937	सीसोदा
668	679	रघुवंस वंसावली	—	—	—	—	—	—
669	912	रजबजी के कवत	रज्जब कवि	—	—	—	—	—
670	979	रतन सागर	—	वि.सं.1755	—	सालिगराम	वि.सं.1891	—
671	151	रतनसिंघ री वचनिका	खिड़िया जग्गा	वि.सं.1715	—	उपाध्याय खेता	वि.सं.1823	सादड़ी
672	524	रत्नमार चरित्र	—	—	—	—	—	—
673	745	रमण प्रकास	—	—	—	—	—	—
674	559	रमलशार का सुची पत्र	—	—	—	—	—	—
675	681	रमल शास्त्र संवंधी पत्र	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
मोहमर्दन संबन्धी उपदेश	राजस्थानी	पद्य 39	12·2″×9·5″	2	27-30	28-35	ग्रन्थ सं. 310 के साथ
"	राजस्थानी	पद्य 39	4·7″×6·4″	5	8-12	12-18	ग्रंथ सं. 124 के साथ
मृग एवं कपोत की कथा	राजस्थानी	पद्य 100	5 3″×6.7″	10	11-12	15-22	लिपि सुपाठ्य नहीं
यक्षद् शुद्धि विधि	राजस्थानी	गद्य	8″×4·8″	1	13	35-45	लिपि सुपाठ्य नहीं
काव्य शास्त्र से सम्बद्ध	राजस्थानी	पद्य 2500	8·2″×6·4″	73	13-16	16-24	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
श्री राम चरित्र	ब्रजभाषा	पद्य 275	8·5″×5·9″	12	18-24	12-22	पत्र सं 1 अप्राप्य
छंद शास्त्र	राजस्थानी	पद्य 385	10·2″×6·5″	134	17-20	8-20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
रघु वंश की वंशावली	ब्रजभाषा	पद्य 10	6·7″×4″	2	12-13	10-15	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश	ब्रजभाषा	पद्य —	6·5″×2·4″	20	9	25-30	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य,
रत्नों के गुण एवं परीक्षा	"	पद्य —	10·3″×5″	25	10	28-35	लिपि सुपाठ्य नहीं
धरमत युद्ध-वर्णन	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	5″×5·7″	49	8-12	12-26	ग्रन्थ का अपर नाम रतनरासो
रत्नसार चरित्र	"	पद्य —	9·5″×4·2″	10	9	15-35	ग्रंथ में कुल 14 चित्र कई पत्र अप्राप्य
श्रृंगार वर्णन	"	पद्य —	4·7″×6·4″	21	9	10-15	ग्रंथ अपूर्ण, ग्रंथ सं. 125 के साथ
रमलसार सूची	"	पद्य —	21·1″×5″	1	41	3-16	पत्र पर कई कुंडलियों का अंकन
रमल विषयक	राजस्थानी गुजराती	पद्य —	22·5″×24″ 195″×19″	2	30-50	30-65	चार्ट रूप में पत्र आकार व लिपि भिन्नता

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
676	567	रमल शास्त्र संबंधी फुटकर पत्र	—	—	—	—	—	—
677	38	रसगाहक चन्द्रिका	सूरतिमिश्र	—	—	—	वि.स1862	—
678	948	रसचन्द्रका	सगतसीघ	—	—	—	—	—
679	191	रसचिंतामणि	गोपाल	—	—	—	वि.सं1929	—
680	240	रस तरंग	दुल्हव कवि	—	पाटण	—	—	—
681	768	रस मंजरी	—	—	—	—	—	—
682	122	रस रत्न	सूरतिमिश्र-	वि.सं.1769	—	—	—	—
683	215	रस रत्न टीका	—	वि.स.1800	—	कोटेश्वर दरोगा	वि स1927	उदयपुर
684	259	रस रहस्य	कुलपति मिश्र	वि.स.1727	—	—	वि.सं1873	—
685	172	रसराज	मतिराम	—	—	सांवलदास धधवाड़िया	वि.सं1919	उदयपुर
686	201	"	"	—	—	—	वि.सं1990	—
687	269	"	"	—	—	मोहनदास वैष्णव	वि.सं1922	—
688	365	"	"	—	—	फतेराम पुष्करणा	वि.सं1910	योधनगर
689	374	"	"	—	—	—	—	—
690	951	रस गीत (?)	सुंदरकृत	—	—	—	—	—

रचना विपय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
रगल विपयक	गुजराती	गद्य	16·1"×6·6"	22	35-50	22-32	पत्रों के आकार में वैविध्य
रसिक प्रिया की टीका	ब्रजभापा	पद्य —	12·8"×6.6"	33	10	35-44	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य.
भक्ति एवं उपदेश	राजस्थानी	पद्य 182	5·2"×6·8"	29	9-10	10-15	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं.
रस,भाव लक्षण	ब्रजभापा	पद्य 75	6·1"×9.7"	6	11-15	13-20	"
षट् ऋतु वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 24	5·5"×9"	16	8-16	7-12	लिपि सुपाठ्य नहीं, लिपि भेद
नायक नायिका वर्णन	"	पद्य 14	6·4"×5·3"	6	12	9-11	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रन्थ सं. 231 के साथ
नायक नायिका भेद वर्णन	"	गद्य पद्य मिश्रित	8·7"×5·8"	26	11-13	15-29	ग्रन्थ अपूर्ण,
सुरति मिश्र कृत रस रत्नकी टीका	ब्रजभापा	गद्य पद्य मिश्रित	8·3"×6·7"	43	13	13-19	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
काव्य लक्षण	"	पद्य —	7·3"×5·9"	130	15-16	10-17	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शृंगार रस वर्णन	"	पद्य 432	10·3"×8"	20	23	30-35	"
"	"	पद्य 424	3·9"×5·6"	92	7-8	13-23	"
"	"	पद्य 432	7·3"×5·7"	63	14-15	12-18	"
"	"	पद्य 425	10·7"×7·2"	46	20	11-18	"
"	"	पद्य 130	10"×6·5"	12	20-22	12-22	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
"	"	पद्य —	9·4"×5·6"	41	15-16	10-15	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
691	759	रसरूप	ग्वाल	—	—	—	—	—
692	803	रसाउला गोगँगा	वीठू मेहा	—	—	—	—	—
693	513	रसिक चमन	अग्निसिंह	—	—	—	—	—
694	169	रसिकप्रिया	केशवदास	वि.सं.1648	—	राधा जोशी	वि.सं.1844	—
695	258	"	"	वि.सं.1648	ओड़छा	फतहराम गड़े वाले	वि.सं.1898	विहाड़ा ग्राम
696	169	"	"	वि.सं.1648	—	राधा जोशी	वि.सं.1844	—
697	502	"	"	—	—	—	—	—
698	548	"	"	—	—	—	—	—
699	933	"	"	—	—	—	—	—
700	544	रसिकप्रिया (टीका सहित)	—	—	—	—	—	—
701	423	रसिक प्रिया के चित्रों का खसरा	—	—	—	—	—	—
702	134	रसिक मुकुंद चंद्रिका	गोविन्द	वि.सं.1865	वृन्दावन	—	—	—
703	762	रसिक विनोद	चन्द्रशेखर	—	—	—	—	—
704	183	रसिकानंद	ग्वाल कवि	—	—	माधवसिंह	वि.सं.1927	—
705	943	रसीत	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
गणेश एवं राम स्तुति	व्रजभाषा	पद्य 8	7·3"×11"	1	15	32-38	ग्रन्थ पूर्ण,ग्रन्थ सं.185 के साथ
गोगा चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·5"×7·5"	3	18-20	17-40	ग्रंथ पूर्ण, ग्रन्थ सं. 337 के साथ
प्रेम वर्णन	व्रजभाषा	पद्य 45	8·"×3.2"	45	2	18-20	ग्रंथ पूर्ण,प्रथम छंद सुपाठ्य नहीं
शृंगार व रस वर्णन	"	गद्य 537	8·7"×6·4"	58	21	18-24	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 514	9·8"×6·6"	53	24	15-22	"
"	"	पद्य 537	8·7"×6·4"	58	21	18-24	"
"	"	पद्य —	3·5"×8·8"	19	7	30-40	ग्रंथ अपूर्ण, प्रति जीर्ण-शीर्ण,
"	"	पद्य —	9·6"×5"	6	8-12	25-32	ग्रंथ अपूर्ण, ग्रंथ सं. 549 के साथ
"	"	पद्य —	6"×5·2"	83	14-18	15-20	ग्रंथ अपूर्ण, कई पत्र अप्राप्य
रसिकप्रिया की टीका	"	पद्य —	5·2"×9·7"	43	13	44-48	"
रसिकप्रिया के चित्र	—	—	11"×9"	101	—	—	कुल 99 चित्र
भाषा भूषण की टीका	"	पद्य 252	5·8"×8·8"	35	22-23	15-22	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
काव्य-दोषादि वर्णन	"	पद्य 6	6·1"×9·7"	1	8-9	13-17	लिपि सुपाठ्य नहीं ग्रन्थ सं. 191 के साथ
नायिका भेद एवं काव्य लक्षण	"	पद्य 307	7·3"×11"	27	15-18	19-35	प्रथम तीन प्रकरण प्राप्य
व्यावहारिक प्रश्नोत्तर	राजस्थानी	गद्य —	5·2"×6·8"	8	7	8-12	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थान	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
706	176	रसोर्णव	नंद वचन	—	—	—	—	—
707	777	राजरतन री वेली	कल्याणदास महड़	—	—	—	—	—
708	474	रागचितवणी	—	—	—	—	वि.सं.1811	—
709	81	राग रत्नाकर	राधाकृष्ण	—	—	मुनि कुशल चन्द	वि.सं.1946	कानोड़
710	370	"	"	वि.सं.1873	—	राव नाथूराम	वि.सं.192[illegible]	—
711	268	राग रागण्या	महा सुज्जन सिंह	—	—	—	—	—
712	55	राजनीति	जसुराम	वि.सं.1814	अमरपुर	—	—	—
713	572	"	देवीदास	—	—	—	—	—
714	300	राजनीति के कवित्त	"	—	—	—	—	—
715	410	राजनीति शास्त्र	जसुराम	वि.सं.1814	—	मोतीराम	वि.सं.1889	भुजनगर
716	287	राजनीति हितोपदेश पचाख्यान	भैरवप्रसाद	—	—	गणेशलाल	वि.सं.1921	—
717	916	राजपचक	—	—	—	पचोली भवानीदास	वि.सं.18[illegible]7	—
718	773	राजयोग इतिहास	—	—	—	ब्राह्मण खूबीराम	वि.सं.1945	कानोड़
719	855	राजरासाचन्द्रसेन	पपाजी आशिया	—	—	—	—	—
720	823	राजा भोज री कथा	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
रस उत्पत्ति वर्णन	ब्रजभाषा	गद्य पद्य मिश्रित	7·4"×11·7"	7	11	30-35	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
राव रतनसिंह का चरित्र	राजस्थानी	पद्य 124	11·3"×9·5"	7	16	28-38	प्रति जीर्ण, ग्रन्थ सं. 302 के साथ
विविध रागों का वर्णन	"	पद्य 32	9·7"×7·2"	3	17	15-36	लिपि सुपाठ्य, प्रति जीर्ण-शीर्ण
"	ब्रजभाषा	पद्य 195	4·5"×6"	26	15-17	15-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य,
"	"	पद्य 196	10·7"×6·9"	20	20	10-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध रागों के पद	"	पद्य —	7·9"×5·7"	16	9-16	14-20	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
राज्यांग वर्णन	राजस्थानी	पद्य 80	9"×5·4"	64	10	8-14	"
राजनीति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य —	5·7"×4·7"	3	7	18-20	ग्रन्थ अपूर्ण, पत्र सं 25 26 एवं 27 प्राप्य,
"	"	पद्य 117	6·5"×4·5"	48	10-11	10-18	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 131	10·5"×6·7"	16	13	28-30	ग्रन्थ पूर्ण लिपि, सुपाठ्य
हितोपदेश कथाएं	हिंदी खड़ी बोली	गद्य	12·9"×7·9"	107	20-22	14-25	"
उज्जैन के राजाओं का वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 302	5.4"×4"	63	10	10-15	"
राजयोग वर्णन	"	पद्य —	7·8"×6·2"	3	16	15-20	ग्रन्थ पूर्ण, ग्रन्थ सं. 255 के साथ
सादड़ी के चंद्रसेन का चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·5"×7·5"	10	10-34	15-30	ग्रन्थ पूर्ण, ग्रन्थ सं. 345 के साथ
राजा भोज से सम्बद्ध कथा	"	पद्य —	13·5"×7·5"	4	28-32	15-25	लिपि सुपाठ्य, ग्रन्थ सं. 342 के साथ

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
721	469	राजा रिसालू री चौपइ	चारणनरवद	—	—	—	वि.सं1811	—
722	936	राजा रिसालू री वार्ता	—	—	—	भावसिंघ सिंघवी	—	—
723	143	राठोड़ वंशरी साखां	करणीदान	—	—	खिड़िया नरसिंहदास	वि.सं1908	बरड़ोद
724	72	राणा भीमसिंह जी रो प्रवाड़ो	—	—	—	—	—	—
725	84	राणा रासो	दयालदास	—	—	विष्णुदत्त	वि सं1944	उदयपुर
726	75	राणाश्री सरदार संघ जीरोप्रवाड़ो	—	—	—	—	—	—
727	868	राधका मंगल	नंदरामदेथा	—	—	—	—	—
728	131	रावा वल्लभजी का कुंडलिया	सेवकजी	—	—	—	—	—
729	132	रामाष्टक	विजैराम व्यास	—	—	—	—	—
730	549	राम चंद्रिका	केशवदास	—	—	—	—	—
731	23	रामचरितमानस पंचम सोपान	तुलसीदास	—	—	टीकमचंद	वि.सं1898	भेंसरोड़ गढ़
732	530	रामचरित्र	—	—	—	—	—	—
733	688	रामनामी री कथा	—	—	—	—	—	—
734	819	राम रंजाट	सूर्यमल्ल मिश्रण	वि सं.1882	—	—	—	—
735	160	राम रत्नमाला	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
राजा रसालू की कथा	राजस्थानी	पद्य —	7·4"×10·6"	9	19-19	25-35	ग्रन्थपूर्ण, प्रति जीर्ण शीर्ण
"	"	गद्य	4·7"×5.7"	32	10-15	10-18	ग्रन्थ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य
राठोड़वंश वर्णन	"	गद्य पद्य	10"×6·5"	111	14-19	8-16	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भीमसिंह चरित्र	"	पद्य —	13·1"×10"	10(	14-20	17-28	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
राणाओं की वंशावली चरित्र	व्रजभाषा	पद्य —	7·9"×13·1"	124	17-26	12-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य.
राणासरदार सिंह का चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·1"×10"	14	14-16	15-26	"
राधा स्तुति	"	पद्य —	13·5"×7·5"	1	29	12-17	ग्रन्थ सं. 346 के साथ
भक्ति, उपदेश	व्रजभाषा	पद्य 10	6·1"×4·5"	5	12	7-12	लिपि सुपाठ्य
राधिका महिमा	"	पद्य 11	6·1"×4·5"	3	12	7-12	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
श्री राम चरित्र	"	पद्य —	9·6"×5"	44	8-12	25-32	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
श्री रामचरित मानस से सम्बद्ध कथा	अवधी	पद्य —	12·2"×6·4"	32	9	22-33	लिपि सुपाठ्य लिपि भेद
श्री राम चरित्र	राजस्थानी	पद्य 502	5·1"×5·4"	98	10-12	10-15	पत्र सं 69 पर एक चित्र, ग्रन्थ अपूर्ण
व्रत कथा	"	गद्य	8·5"×9·7"	5	13-15	17-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
बूंदी नरेश राम सिंह का चरित्र	"	पद्य —	13·5"×7·5"	20	24-30	15-25	ग्रन्थ पूर्ण, ग्रन्थ सं 342 के साथ
श्री राम महिमा	राजस्थानी व्रज	पद्य 109	5·8"×8·4"	9	17-18	12-16	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
736	874	रामरासो	माधवदास धधवाड़िया	—	—	—	—	—
737	82	रायप्रदेसीप्रबन्ध	सहजसुंदर	—	—	—	—	—
738	89	रावत मोहकम सिंघ हरि सिंघोतरी वात	—	—	—	—	—	—
739	406	रसाष्टक	ब्रह्मानंद	—	—	—	—	—
740	835	”	”	—	—	—	—	—
741	941	रितुमिजाक्षरा-ज्जाकवल धर्म शास्त्र सगीत,	पदमनाभ भट्ट	—	—	—	—	—
742	683	रीसालु कुवर की वात	—	—	—	मोतीचंद मुराणा	वि.स.1907	—
743	380	रुपग ठाकरां गोगेदे जीरो	आढ़ा पाड़ खांन	—	—	—	वि.सं. 1914	—
744	786	रुपग रुषमणि हरण	भुलासांइया	—	—	—	—	—
745	790	रुपग सादा रासो	मेहडूमहा-दान	—	—	आढ़ा किसना	वि.सं.1878	उदयपुर
746	761	रुपदीप	जयकृष्ण	—	—	—	—	—
747	264	रुपदीप पिंगल	”	वि.सं.1776	—	—	—	—
748	639	रुपदीप भाषा पिंगल	—	वि.सं.1776	—	—	—	—
749	485	रेखता	रामचरण	—	—	—	—	—
750	186	लछमन विलास	रावमाधव	वि.सं.1942 (?)	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
श्री राम चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·5"×7·5"	21	24-30	8-15	ग्रन्थ अपूर्ण,ग्रन्थ सं 347के साथ
जैन कथा	"	पद्य 221	10·4"×4·1"	9	13-15	35-40	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
देवगढ़ के मोहकम सिंह का चरित्र	"	गद्य पद्य मिश्रित	8"×5·5"	18	18	20-26	लिपि सुपाठ्य ग्रंथ अपूर्ण,
रामलीला वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 11	10·5"×6·7"	2	13-14	28-31	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 9	13·5"×7·5"	1	27	15-30	ग्रंथ पूर्ण, ग्रन्थ सं. 343 के साथ
आचार शास्त्र	राजस्थानी	गद्य	11·3"×7·8"	80	18-20	18-22	कुछ पत्र त्रुटित एवं चिपके हुए
राजा रिसालू की वार्ता	"	गद्य	5·2"×6·5"	26	7-12	20-25	ग्रन्थ पूर्ण लिपि सुपाठ्य नहीं
गोगादे चरित्र	"	पद्य —	11·2"×6.4"	27	20-21	11-16	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
रुक्मिणी हरण कथा	"	पद्य 15	12·2"×9·5"	2	18-27	25-30	ग्रंथ अपूर्ण, ग्रंथ सं. 310 के साथ
सामान्य मनुष्यों का वर्णन	"	पद्य 27	12·2"×9·5"	3	30-35	25-35	ग्रंथ पूर्ण, ग्रन्थ सं. 310 के साथ
छंद लक्षण एवं भेद	ब्रजभाषा	पद्य 64	5·6"×7·9"	12	9	18-22	ग्रंथ अपूर्ण, ग्रन्थ सं 188 के साथ
"	"	पद्य —	8·8"×7·2"	6	15	18-30	ग्रन्थ पूर्ण लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 60	6·3"×11·4"	4	12	40-50	पत्रसं. 1 अप्राप्य पत्र त्रुटित
गुरु महिमा एवं भक्ति उपदेश	राजस्थानी	पद्य 127	6·5"×2·4"	27	9	30-35	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
रीति काव्य एवं राजनीति	ब्रजभाषा	गद्य —	5·7"×11·8"	30	9-11	17-32	पत्र सं. 1-4 अप्राप्य लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
751	161	लय योग बत्तीसी	—	—	—	—	—	—
752	944	लावणी संग्रह	—	—	—	—	—	—
753	628	लुकमान हकीम का नसीहतनामा	—	—	—	—	—	—
754	900	लोभ परिहारोपदेस	भावसागर	—	—	—	—	—
755	6	वंध्याकल्प	—	—	—	—	—	—
756	275	वंसावली	—	—	—	—	—	—
757	883	वईस वारता	बांकीदास	—	—	—	—	—
758	619	वगलामुखी यंत्र	—	—	—	—	—	—
759	814	वचनिका खीची गंगेवजी वावतरी	—	—	—	—	—	—
760	802	वचनिका राजा अचलदास खीची	शिवदास	—	—	—	—	—
761	561	वणिक नामावली	—	—	—	—	—	—
762	566	वसीयतें	—	—	—	—	—	—
763	437	वाटकी वलावण मंत्र	—	—	—	—	—	—
764	662	वात अकतरा की	—	—	—	—	वि.सं.1936	—
765	424	वात संग्रह	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
योग साधना	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 32	5·8"×8·4"	7	17-18	12-16	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध कथाएं	राजस्थानी	पद्य —	5·2"×6·8'	28	7-10	10-15	लिपि सुपाठ्य, नहीं
निति विषयक	खड़ी बोली	गद्य	6·5"×8"	3	18	28-32	ग्रन्थ अपूर्ण, प्रति जीर्ण शीर्ण
उपदेश	राजस्थानी	पद्य 8	9·8"×4.5"	1	11	35-40	ग्रंथ पूर्ण
वंध्यादोष एव उपचार	राजस्थानी एवं संस्कृत	गद्य	6·5"×4·2"	9	13	24-30	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य,
सूर्य चन्द्र वंशावली	ब्रजभाषा	पद्य —	4·1"×6"	7	10-11	17-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
पातुर वर्णन	राजस्थानी	पद्य 57	13 5"×7·5"	8	8	15-.0	ग्रन्थ पूर्ण, ग्रन्थ सं. 349 के साथ
यंत्र एवं मंत्र	ब्रजभाषा एवं संस्कृत	गद्य	4·6"×7.5"	1	5-10	16-20	पत्र जीर्ण शीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
वार्ता	राजस्थानी	गद्य	13·5"×7·5"	3	30-35	20-25	ग्रन्थ अपूर्ण ग्रंथ सं. 339 के साथ
गागरोण गढ़ युद्ध वर्णन	"	गद्य पद्य मिश्रित	13·5"×7·5"	6	14-20	30-45	ग्रन्थ सं. 337 के साथ
दानी वणिकों की नामावली	"	गद्य	6·1"×4.6"	18	7-8	5-17	प्रारंभ के कुछ पत्र अप्राप्य
नीति विषयक	उर्दू	गद्य	13.2"×8"	5	17-18	15-25	लिपि सुपाठ्य
तंत्र विषयक	राजस्थानी	गद्य	9·7"×4·7"	1	9	30-40	ग्रन्थ पूर्ण
वार्ता	"	गद्य	4·6"×5·5"	11	8	10-15	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध वार्ताएं	"	गद्य	11"×8"	16	12-22	10-30	प्रति जीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
766	671	वारखड़ी	संतदास	—	—	—	—	—
767	204	वारता रतना हमीर री	—	—	—	आढा सबदान	वि.सं1895	—
768	203	वार्ता संग्रह	—	—	—	—	वि.सं1754	—
769	282	"	—	—	—	—	—	—
770	592	"	—	—	—	—	—	—
771	350	विक्रमादित्य कथा	नरपति	—	—	नंदकिसोर पालीवाल	वि.सं.2001	उदयपुर
772	120	विचारमाला	श्रीनाथ	वि सं1726	—	—	—	—
773	717	"	—	"	—	कीरतराम आशिया	—	उदयपुर
774	162	विदुर बत्तीसी	—	—	—	—	—	—
775	192	विनैमाला	रघुराजसिंह	वि.सं1917	—	—	—	—
776	714	नीसाणियां एवं फुटकर गीत	—	—	—	—	—	—
777	128	विमेक वारता री नीसाणी	केशवदास गाडण	—	—	गुरु भवानी दास	वि.सं1844	—
778	794	"	"	—	—	सांवलदान आशिया	—	—
779	876	विर सप्तशति	सूर्यमल्ल मिश्रण	वि सं.1914	—	"	—	—
780	752	विस्वतणो विवाहलो	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
शृंगार एवं भक्ति	ब्रजभाषा	पद्य 37	5·3"×5·5"	6	9	15-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
रतना हमीर की कथा	राजस्थानी	गद्य पद्य	13·3"×10"	15	24-45	17-42	ग्रन्थ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य.
विविध वार्ताएं	"	गद्य	12·4"×7·3"	382	29-39	17-30	लिपि भेद. करीब 90 वार्ताएं संग्रहीत
"	"	गद्य	12·5"×10·7"	235	18-31	13-30	लिपि सुपाठ्य नहीं लिपि भेद
"	"	पद्य 1017	8·5"×7·6"	71	14-16	20-25	ग्रंथ अपूर्ण
विक्रमादित्य चरित्र	राजस्थानी एवं संस्कृत	पद्य 970	13·2"×7·8"	32	30-36	20-30	ग्रन्थ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य
अध्यात्म ज्ञान	ब्रज एवं राजस्थानी	पद्य 182	5·2"×6·6"	14	12	20-25	पत्र सं 1, 2 अप्राप्य लिपि सुपाठ्य
"	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 188	11·1"×9·3"	6	27-37	17-31	लिपि भेद. ग्रंथ सं 92
गोला राजपूतों का चित्रण	राजस्थानी	पद्य 36	6·9"×8·1"	3	13	15-18	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	ब्रजभाषा	पद्य 112	6·9"×7·4"	22	12-13	17-24	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध	राजस्थानी	पद्य —	11·1"×9·3"	32	14-32	15-25	लिपि भेद, ग्रंथ सं 92 के साथ
भक्ति एवं नीति	"	पद्य 30	6·1"×4·5"	34	12	7-12	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 30	13·5"×7·5"	17	32-35	15-20	ग्रन्थ सं. 336 के साथ
वीर वर्णन	"	पद्य 288	13·5"×7·5"	41	14	15-20	ग्रंथ सं 347 के साथ
श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह	"	गद्य पद्य मिश्रित	5"×5·7"	19	14-17	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण. ग्रन्थ सं 151 के साथ

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
796	92	वृत्त विचार	सुखदेव	—	—	भट्ट मोजीराम	वि.सं.1880	—
797	208	वृत्ति बोध	स्वरूपदास	वि सं1898	सिग्रापुर	भैरा	वि.सं.1926	—
798	188	वृत्ति विचार	सुखदेव मिश्र	वि.सं1728	—	राव बख्तावर	वि सं1912	उदयपुर
799	723	"	"	वि स.1728	—	—	—	—
800	357	वृद सिणगार	कविया करणीदान	—	—	—	—	—
801	531	वेलि क्रिसन रुक्मिणी री	पृथ्वीराज राठौड़	—	—	—	—	—
802	804	वेली राउरतनरी	कल्याणदास महड़	—	—	—	—	—
803	451	वैद्यक पत्र	—	—	—	—	—	—
804	445	वैद्यक शास्त्र	—	—	—	—	—	—
805	926	वैद्यक सार	—	—	—	—	—	—
806	448	वैद्य वल्लभ	कवि हस्तिरुचि	—	—	—	—	—
807	476	"	"	—	—	—	—	—
808	905	"	"	—	—	—	—	—
809	79	वैद्य शास्त्र भाषा	—	वि.सं1907	—	—	—	—
810	787	वैसक वारता	बांकीदास	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
द शास्त्र	व्रजभाषा	पद्य —	11·1"×9·3"	41	22	15-23	ग्रन्थ सं. 92 के साथ
नि ग्रन्थ	"	पद्य —	6·"×4·4"	80	6	10-17	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
द शास्त्र	"	पद्य 441	5 6"×7·9"	95	9	17-28	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 81	7"×10·5"	11	12-15	25-35	ग्रंथ अपूर्ण, ग्रन्थ सं. 98 के साथ
महा. अभयसिंह चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·6"×8"	7	26	15-25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कृष्ण रुक्मिणी विवाह	राजस्थानी	पद्य —	5·4"×6·3"	13	14-18	18-25	ग्रन्थ अपूर्ण लिपि सुपाठ्य
रतनसिंह का चरित्र	"	पद्य 120	13·5"×7·5"	5	19-20	30-45	ग्रन्थ सं 337 के साथ
आयुर्वेद	"	गद्य	6·6"×4·2"	3	17	22-30	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
"	"	गद्य	8·9"×5·3"	17	7-20	27-34	संस्कृत ग्रन्थ सं.439 के साथ
"	"	गद्य	10·7"×6·7	79	25-30	15-20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	गद्य	9·6"×4·4"	10	13-15	28-35	"
"	"	गद्य	10"×7 4"	15	18-19	25-30	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रन्थ अपूर्ण
"	"	गद्य	10"×7·2"	13	19	30-35	लिपि सुपाठ्य
"	राजस्थानी	गद्य	12"×5·6"	48	10	29.46	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
नागुर वर्णन	राजस्थानी	पद्य 54	12·2"×9 5"	2	25	25-30	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रंथ सं. 310 के साथ

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
811	230	व्यंग्यार्थ कौमुदी	प्रतापसाह	वि.सं.1882	—	शिवराम	—	जानरोपुर
812	360	"	प्रतापकवि	"	—	—	वि.सं.1916	—
813	558	शकुन सम्बन्धी फुटकर पत्र	--	—	—	—	—	—
814	525	शनिजी की कथा	—	—	—	—	—	—
815	499	शनिश्चर कथा	रामानंद (?)	—	—	—	—	—
816	666	"	—	—	—	कायस्थ नाथू	—	—
817	678	"	—	—	—	—	—	—
818	522	"	—	—	—	—	—	—
819	649	"	—	—	—	—	—	—
820	553	"	रामनंद	—	—	—	—	—
821	685	शब्द कोष	—	—	—	—	—	—
822	189	शम्भुजसप्रकाश	राव बख्तावर	वि.सं.1917 39	—	—	—	—
823	432	शान्तिनाथ स्तवन	गुणसूरी	—	—	कपूरसागर	वि.सं.1876	—
824	463	शालीभद्र चौपड	मतिसार	वि.सं.1678	—	माणिक्य विजय	वि.सं.1811	शामगढ
825	136	शालिभद्र चौपई	"	वि.सं.1678	—	सेवक जोजी	वि.सं.1819	केकींद

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
नायक नायिका वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 109	6·4"×5·3"	83	12	9-14	लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 130	10·8"×7·5'	47	19	14-21	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शकुन	राजस्थानी	गद्य	9 5"×5·4"	12	8-12	26-32	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
शनिश्चर कथा	राजस्थानी	गद्य पद्य मिश्रित	6·4"×4.8"	24	6-8	12-20	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं,
"	ब्रजभाषा	पद्य —	7·5"×6"	14	13	20-25	लिपि सुपाठ्य नहीं,
"	राजस्थानी	गद्य	4·9"×6·5"	24	7-8	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य, नहीं.
"	ब्रजभाषा	गद्य	4·4"×6·2"	18	8	18-22	ग्रन्थ अपूर्ण
"	राजस्थानी	पद्य 148	6·8"×4.4"	26	8	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
"	"	गद्य	3·7"×5·2"	42	5-6	10-15	पत्र सं 1 अप्राप्य लिपि सुपाठ्य नहीं.
"	ब्रजभाषा	पद्य —	8·5"×6·6'	19	15-20	15-25	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अंग्रेजी हिन्दी फारसी शब्द कोष	—	—	10 8"×7'	51	24-25	13-16	कई पत्र अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य,
शंभुसिंह चरित्र व विविध गीत	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	13"×10"	36	17	20-30	ग्रन्थ के प्रारंभ में विषय सूचि,
शांतिनाथ स्तुति	राजस्थानी	पद्य 20	9·3"×4·5"	1	11-16	32-40	ग्रन्थ पूर्ण,
शालिभद्र चरित्र	"	पद्य —	10"×7·2"	21	18-19	24-35	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
	"	पद्य —	7·7"×6"	54	10	16-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
826	25	शाली होत्र	नकुल पण्डित	—	—	—	—	—
827	594	शालीहोत्र एवं आयुर्वेद	—	—	—	—	—	—
828	924	शालीहोत्र भाषा	—	—	—	भण्डारी भगवतीदास	वि.सं1809	कगामन
829	980	शिव की आरती	—	—	—	—	—	—
830	527	शिवजीकी आरती एवं अन्य पद	—	—	—	—	—	—
831	897	शीना सती स्वाध्याय	जिनहरस	—	—	—	—	—
832	571	शीलोपदेश बालावोधि	मेरु सुन्दर गणी	—	—	—	—	—
833	4	शीलोपदेश माला प्रकरणवाला,वोध	"	वि सं.1751	—	ऋषि गोविन्द	—	कोटा
834	864	श्रृंगार रस दूहे	—	—	—	—	—	—
835	67	श्रृंगाररसमाधुरी	कृष्ण भट्ट देवर्षि	वि.सं1769	—	सानीराम	वि.सं1795	जयपुर
836	180	श्रृंगार संग्रह	—	—	—	गहलावसिंह	वि सं.1932	सलुंबर
837	911	श्रवंग सार	नवलराम	वि सं1834	—	—	—	—
838	960	श्री कवीरजी रो चौपद	कवीर	—	—	—	—	—
839	505	श्री कृष्ण गोपी को विरह रस	—	—	—	अगैराम	—	—
840	570	श्री कृष्णजी रो वीसलो	पद्म कवि	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
अश्व परीक्षा व चिकित्सा	राजस्थानी	गद्य	9·1"×5·5"	19	4-12	10-30	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अश्व एवं आयुर्वेद विषयक	"	गद्य	8·5"×7·6"	36	14-22	20-30	लिपि सुपाठ्य नहीं,
अश्व प्रकार, रोग चिकित्सा	"	गद्य	9·6"×6·4"	27	15-16	35-40	लिपि सुपाठ्य नहीं, फरसनामा ग्रन्थ का राजस्थानी अनुवाद
शिवजी की स्तुति	ब्रजभाषा	पद्य 5	4·2"×6.5"	2	7	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नही
शिव स्तुति व भक्ति के पद	"	पद्य —	6·4"×4·8"	–	6-7	15-20	लिपि सुपाठ्य नही,
भक्ति विषयक	राजस्थानी	पद्य	9·6"×4·3"		10	38-45	ग्रन्थ पूर्ण, ग्रंथ सं 430 के साथ
जैन उपदेश कथा	गुजराती	गद्य	4·5"×9·7"	9	17-19	50-60	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं,
जैन उपदेश कथाएं	राजस्थानी	गद्य	10·1"×4·1"	76	16-20	37-61	पत्र सं 1 से 35 एवं 86 अप्राप्य.
शृंगार वर्णन	"	पद्य 80	13·5"×7·5"	9	8-10	15-20	दोहे शब्दार्थ सहित, ग्र. सं. 345 के साथ
राधा कृष्ण लीला एवं नायिका भेद	ब्रजभाषा	पद्य 564	6·4"×9·4"	96	10	25-30	पत्र सं. 1,2 अप्राप्य,
शृंगार रस, षट् ऋतु वर्णन आदि	"	पद्य —	5·9"×7·5"	114	14-18	25-30	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
संतों की वाणियां	राजस्थानी ब्रज संस्कृत	पद्य —	6·5"×2·4"	418	9	30-40	लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य 16	4·5"×5·7"	3	14	10-15	ग्रन्थ सं. 954 के साथ
कृष्ण गोपी चरित्र	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 204	4·7"×7·5"	41	11-12	17-25	प्रारम्भ के 6 पत्र अप्राप्य.
कृष्ण रुक्मिणी विवाह	राजस्थानी	पद्य —	5·1"×7.1"	41	9-10	15-22	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नही

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थ
841	236	श्री कृष्ण जीवन रा बारामासि	—	—	—	त्रिभुवन	—	—
842	256	श्री गुसांई जी की वार्ता	—	—	—	—	—	—
843	845	श्री गोराजी म्हाराज का छंद	बखतराम ग्रासियां	—	—	—	—	—
844	245	श्री गोवर्द्धननाथ जी की निज वारता	—	—	—	—	—	—
845	163	श्री चंदकंवर री वार्ता	हंस कवि	वि.सं1740	—	—	—	—
846	756	श्री चारभुजाजी की स्तुति	—	—	—	—	—	—
847	940	श्री जवानसिंहजी का वणाया कवित्त सवैया दूहे	श्री जवान सिंह	—	—	सदाशिव	वि.सं1894	—
848	687	श्रीधनाजी की ढाल	—	—	—	—	—	—
849	584	श्री नरसी मेथा की हुंडी	जेठमल	वि.सं1710	—	—	वि.सं1850	पारसोली
850	247	श्रीभगवत गीता का टीका	—	—	—	—	—	—
851	272	श्रीमद्गोवर्द्धन नाथजी के प्रागट्य को प्रकार	—	—	—	—	—	—
852	523	श्री मद्भागवत की टीका	—	—	—	—	—	—
853	934	श्री महादेवजी रो सरोदो	—	—	—	हंसराज सिदावत	वि.सं1870	—
854	563	श्री महावीरजी रो पारणो	—	—	—	—	—	—
855	755	श्री रामगोपी गीत अष्टक	—	—	—	—	वि.सं.1966	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
गाथा विरह वर्णन	गुजराती	पद्य 12	5·3"×6·8"	5	13-15	10-15	लिपि सुपाठ्य नहीं
पुष्टिमार्गीय वार्ताएं	व्रजभाषा	गद्य —	5·5"×5·6"	94	10-12	15-20	पत्र सं. 1-2 अप्राप्य, लिपि सुपाठ्य
गोरा चरित्र	राजस्थानी	पद्य 11	13 5"×7·5"	4	18-19	15-20	ग्रन्थ सं. 343 के साथ
श्रीनाथजी चरित्र	व्रजभाषा	गद्य	7"×9·4"	42	24-25	16-28	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
अमरपुरी के चंद कुंवर का चरित्र	राजस्थानी	गद्य-पद्य मिश्रित	11·6"×8·9"	9	18	14-18	"
चारभुजाजी की स्तुति	व्रजभाषा	पद्य —	11·6"×8·9"	2	18-19	18-22	ग्रन्थ सं 168 के साथ
भक्ति एवं शृंगार	"	पद्य 37	7·8"×6·2"	49	18	12-16	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति एवं उपदेश	राजस्थानी	पद्य 22	8·5"×9·7"	3	13-15	15-20	"
भक्त नरसी चरित्र	"	पद्य 78	5·3"×5·9"	12	8-10	15-20	"
ज्ञानोपदेश	व्रजभाषा	गद्य	7"×9 4"	27	24	15-25	"
श्रीनाथजी का प्राकट्य	"	गद्य	5·5"×9"	66	18-21	15-20	"
भागवत कथा	"	गद्य	11·5"×5·8'	10	10-11	25-35	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं,
योग सम्बंधी उपदेश	राजस्थानी	गद्य	6"×5·2"	14	10-14	10-16	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रन्थ सं. 934 के साथ
जैन कथा	"	पद्य 27	9·7"×4·3"	2	14-16	34-36	लिपि सुपाठ्य
श्रीराम महिमा	राजस्थानी एवं व्रज	पद्य 8	5·8"×8·4"	1	17-18	12-16	ग्रंथ सं. 161 के साथ

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
856	680	श्री रामचन्द्र जी कौ 14 वर्ष का व्यौरा	—	—	—	—	—	—
857	910	श्रीरामचरणजी की वाणी	रामचरण	—	—	—	—	—
858	704	श्री रामचरित मानस	गो तुलसी-दास	—	—	खोजीराम शिवराम व रामहार	वि.सं1898 1929	वरखेडा अलवर
859	650	श्रीरामजी की बारामासी	—	—	—	—	—	—
860	766	श्री लछमणसिंह जी री वेत	माधवसिंह	—	—	—	—	—
861	119	श्री वल्लभाचार्य जी की वंशावली	—	—	—	—	—	—
862	909	श्रीसनदासजी की वाणी	सनदास	—	—	—	—	—
863	652	श्री सुरजी माहा-राज की कथा	—	—	—	हरदेवा	वि सं 1884	—
864	792	श्रूप गुण वाद विवाद	—	—	—	—	—	—
865	978	षड्ऋतु	दूल्ह कवि	—	—	—	वि.सं192?	—
866	199	षोडसक्रम	बख्तावर	—	—	—	वि सं 1936	—
867	95	संकटहरण	शिवरूप अग्रवाल	वि सं1813	—	—	—	—
868	849	संकट हरनमनोत	—	—	—	—	—	—
869	550	संघवालबोध	—	—	—	—	—	—
870	188	संतदासजी की वाणी	संतदास	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
राम वनवास विवरण	व्रजभाषा	पद्य 16	6·7"×4"	3	12-13	10-15	ग्रंथ पूर्ण; लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी एवं व्रज	पद्य —	6·5"×2·4"	269	9	25-30	"
श्रीराम चरित्र	अवधी	पद्य —	6"×11·5"	359	11-13	30-35	ग्रन्थ अपूर्ण प्रति जीर्ण शीर्ण
भक्ति विषयक	राजस्थानी	पद्य 5	3 7"×5·2"	3	5-6	12-18	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं,
बांसवाड़ा के दशोहरा उत्सव का वर्णन	व्रजभाषा	पद्य —	10·7"×8·2"	1	15	18-33	ग्रन्थ अपूर्ण ग्रन्थ सं 227 के साथ
वंश परम्परा	राजस्थानी एवं खड़ी बोली	गद्य	5·5"×6·9"	56	9-13	9-20	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी एवं व्रज	पद्य 932	6·5"×2·4"	75	9	25-30	"
सूर्य कथा	राजस्थानी	गद्य	3·3"×4·9"	33	7-9	15-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नही
रुप गुण संवाद	व्रजभाषा	पद्य 43	13·5"×7·5"	4	10-12	15-20	लिपि सुपाठ्य ग्रन्थ सं. 336 के साथ
ऋतु वर्णन	"	पद्य 13	8·5"×10"	6	10-14	16-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
छंदों में प्रयुक्त वर्ण क्रम	"	पद्य —	7·9"×12.7"	9	26-29	16-30	ग्रन्थ पूर्ण. लिपि सुपाठ्य
अवतार कथाए ईश्वर वंदना	राजस्थानी	पद्य 71	5·9"×7·1"	7	11-15	15-21	प्रारंभ के 40 छंद अप्राप्य.
भक्ति विषयक	"	पद्य 75	13·5"×7·5"	3	28-36	15-20	ग्रंथ सं. 343 के साथ
जैन धर्म विषयक	गुजराती	पद्य —	10·1"×4·3"	4	13-15	40-48	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं.
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी	पद्य —	2·4"×4·6"	131	5	13-20	पत्र सं.1 अप्राप्य. लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
871	914	संतदासजी की साखी	संतदास	—	—	—	—	—
872	710	सतसतुनी	जगजीवन दास	—	—	—	—	—
873	742	संतोष बावनी	वांकीदास	वि.सं.1878	—	—	—	—
874	780	"	"	"	—	प्राढाकिसन	—	—
875	829	"	"	"	—	—	—	—
876	74	संभूसींहजी को जस प्रकाश	—	—	—	—	—	—
877	921	संवत्सरफल	—	—	—	—	—	—
878	77	सजन रंग	कबीर शिष्य	—	—	—	—	—
879	173	सज्जन प्रकाश	जगजीवन राव बख्तावर	वि.सं.1935	—	—	—	—
880	80	सज्जनविलास	कविदत्त	—	—	—	—	—
881	764	सतवंती री बात	जानकवि	—	—	—	—	—
882	693	सत्ताईसनक्षत्रों की जड़ी	—	—	—	लक्ष्मीलाल छाजेड़	वि.सं.1982	उदयपुर
883	467	सदेवच्छ सावलिंग चौपई	मुनि केशव	वि.सं.1679	—	—	—	—
884	500	सनेह लीला	—	—	—	देवकिशन व्यास	—	—
885	515	"	—	—	—	गोधरन	वि.सं.1833	—

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
886	579	सनेह लीला	रसिकराय	—	—	सालिगराम	वि.सं1906	—
887	552	सकल संसार गीतं	—	—	—	पं. हीरसेन	—	—
888	415	सभा परव	सीपण हरदास	—	—	—	—	—
889	378	सभा प्रकाश	हरिचरण दास	—	—	—	—	—
890	195	"	"	वि सं1814	—	ओंकारनाथ व्यास	वि सं1917	उदयपुर
891	42	सभा विलास	—	—	—	बालकृष्ण दगोरा	वि. 1916	—
892	694	सभा शृंगार	—	—	—	—	—	—
893	923	समय सार नाटिका	—	वि सं1693	—	—	—	—
894	805	समस्या विंशति	लालकवि	—	—	—	—	—
895	190	सरुप पकास	राव बख्तावर	—	—	किशोरराय	वि.सं1917	उदयपुर
896	76	सरुपसींघजी रो गुण भाप	—	—	—	—	—	—
897	526	मरोदा विचार	—	—	—	—	—	—
898	108	सर्वज्ञ बावनी	सीखजन	वि.सं1600	—	—	—	—
899	152	सर्व संग्रह	—	—	—	—	—	—
900	670	सवैया कवित्त संग्रह	—	—	—	—	—	—

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
गोपी उद्धव संवाद	ब्रजभाषा	पद्य —	5·9"×5·9"	15	10-12	10-15	ग्रन्थ का अपर नाम "भंवर गीता
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी	पद्य 18	4·4"×9"	1	13	42-46	पत्र त्रुटित, लिपि सुपाठ्य
द्रोपदी चीरहरण	"	पद्य 163	10 5"×6·7"	11	13	28-32	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शृंगार एवं अन्य रस वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 282	13 1"×8"	17	20-22	18-25	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं.
"	"	पद्य 726	7·2"×10·2"	79	13	25-35	अन्त में दो पत्रों पर सूची
शृंगार, भक्ति व नीति	ब्रजभाषा	पद्य 619	8·4"×6·5"	48	15	16-23	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
विविध ज्ञान विषयक	राजस्थानी	गद्य	4·3"×8·1"	5	18-19	35-40	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
जैन धर्म	ब्रजभाषा	पद्य —	9·6"×6·4"	64	15	35-40	ग्रन्थ पूर्ण
भक्ति	"	पद्य 49	13·5"×7·5"	7	12-15	15-20	ग्रन्थ सं.337 के साथ
महा.स्वरूपसिंह चरित्र	"	पद्य —	7·5"×6·9"	79	12-15	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण. लिपि भेद
"	राजस्थानी	पद्य —	13·1"×10"	33	14-17	15-26	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
पूजा विषयक	"	गद्य	6·4"×4·8"	4	6-7	14-30	ग्रन्थ अपूर्ण लिपि सुपाठ्य नही.
अध्यात्म एवं उपदेश	ब्रज	पद्य 54	4 5"×6"	12	14-15	14-23	ग्रन्थ पूर्ण लिपि सुपाठ्य
महा. व ठाकुरों के गीत	राजस्थानी	पद्य —	13·6"×10·2"	43	13-25	15-20	लिपि भेद, लिपि सुपाठ्य,
शृंगार एवं अन्य	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	5·3"×7"	22	7-9	14-20	ग्रन्थ अपूर्ण लिपि सुपाठ्य

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
901	564	ससिकला प्रबन्ध	विल्हण	—	—	—	—	—
902	504	सहजराम चंद्रिका	सहजराम नाजर	वि सं 1834	—	—	—	—
903	952	सांड संमछरी	—	—	—	बालकिसन	वि.सं.1793	दाल ग्राम
904	50	साखी	कबीर	—	—	—	—	—
905	799	साखी के दूहे	—	—	—	—	—	—
906	495	साखोच्चार	—	—	—	—	—	—
907	540	सात मत्स्य	—	—	—	—	—	—
908	105	साधां री आरती	—	—	—	—	—	—
909	153	साधु वंदना	—	—	—	—	—	—
910	771	सामुद्रिक	—	—	—	—	—	—
911	949	"	—	—	—	वैष्णव मोहनदास	वि.सं.1971	उदयपुर
912	598	सार संग्रह	—	—	—	—	—	—
913	109	"	गोविंददास	—	—	—	—	—
914	231	सागतारपचीसी	सिवराम	—	—	—	—	—
915	925	सालिहोत्र भाषा	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
काश्मीर प्रदेशका कथा	राजस्थानी	पद्य 124	4"×8·3"	7	11-12	30-35	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कविप्रिया की टीका	ब्रज	पद्य —	8·6"×6·2"	177	18-20	10-18	ग्रन्थ अपूर्ण,प्रति जीर्ण-शीर्ण,
वि.सं. 1701-1800 तक की भविष्यवाणी	राजस्थानी	गद्य —	10"×4·1"	32	10-12	25-30	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश	मिश्रित	पद्य —	8·4"×6.1"	29	18-21	14-19	ग्रन्थ अपूर्ण, प्रति जीर्ण
उपदेश	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 210	13·5"×7·5"	29	6-8	15-20	लिपि सुपाठ्य, ग्रन्थ सं.336 के साथ
श्रीरामविवाह	ब्रज	पद्य 29	7·1"×5·4"	8	7-8	10-15	सभी पत्र त्रुटित
भक्ति विषयक	"	पद्य 8	6·5"×4·6"	4	10-15	10-15	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं.
लगभग 70 संतों की आरतियां	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य	4·5"×6"	10	10-11	13-22	पत्र सं 1-23 अप्राप्य
जैन साधुओं की वन्दना	राजस्थानी	पद्य 252	10 2"×4·4	15	10-11	30-35	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य.
सामुद्रिक शास्त्र एवं उसकी टीका	संस्कृत एव राज.	पद्य —	7"×9·4"	26	24-25	18-22	लिपि सुपाठ्य, ग्रन्थ सं. 247 के साथ
"	संस्कृत एवं ब्रज	पद्य —	6·2"×9 5"	42	12	20-25	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति विषयक	"	पद्य	8"×6·4"	26	6-10	8-16	ग्रन्थ अपूर्ण
अध्यात्म ज्ञान, उपदेश आदि	ब्रज	पद्य 331	4·5"×6"	35	14-15	13-23	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
उपदेश	"	पद्य 25	6 4"×5·3"	12	12	9-14	"
अश्व परीक्षा, रोग चिकित्सा	राजस्थानी	गद्य	9·6 ×6·4"	57	10-15	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रंथ सं 924 के साथ

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
916	541	सावलिगा री वार्ता	—	—	—	—	—	—
917	627	साह वाजणी की विगत	—	—	—	सेवग छूकल	वि.सं.962	—
918	33	सिगार बोध	दिल्लाराम चौबे मथुरिया	—	—	गोवरधन दास	विसं1833	—
919	32	सिख नख	—	—	—	—	—	—
920	184	"	बलभद्र	—	—	—	वि.सं1942	—
921	375	"	"	—	—	—	—	—
922	452	सिद्ध प्रदेशी	—	—	—	—	—	—
923	19	सिद्धान्त बोध	जसवन्तसिंह	—	—	—	—	—
924	18	सिद्धान्त सार	—	—	—	—	—	—
925	383	सिवराज कवित्त	भूषण	—	—	—	वि.सं.1914	जोधपुर
926	753	सीव पुरान	आईदान गाडण	—	—	सावलदान आशिया	वि.1983	—
927	292	सीसोद वंसावली	—	वि.सं1921	उदयपुर	—	—	—
928	29	सीसोदिया री ख्यात	—	—	—	—	—	—
929	124	सीह छतीसी	बांकीदास	—	—	—	—	—
930	783	"	"	—	—	आढा [illegible]	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
मार्वालगा की वार्ता	राजस्थानी	गद्य-पद्य मिश्रित	5·1"×6·7"	19	10-14	20-25	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
साहजी की वंशावली	राजस्थानी	"	3·6"×12·5"	1	97	20-30	पत्र जीर्ण-शीर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
शृंगार वर्णन	व्रज	पद्य 215	8·7"×5"	19	7-10	27-36	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शिख नख वर्णन	"	पद्य 218	10·5"×5.3"	35	10	31-42	"
"	"	पद्य 65	7·3"×11"	16	9-12	25-30	"
"	"	पद्य 67	9"×6·2"	10	19	20-26	"
जैन धर्म कथा	राजस्थानी	पद्य —	9·8"×5·4"	15	14-23	30-35	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि भेद प्रथम पत्र जीर्ण-शीर्ण,
अध्यात्म ज्ञान	व्रज	पद्य	9·2"×5·7"	45	13-15	6-13	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 173	9·2"×5·7"	7	23-24	19-24	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य.
शिवाजी चरित्र	"	पद्य 43	5·1"×9·8"	9	8-11	15-31	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शिव चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·6"×10 2	14	24-25	20-25	ग्रंथ सं 152 के साथ
सीसोदिया वंस की उत्पति एवं वंशावली	"	गद्य	11·5"×9"	51	17-21	10-30	प्रति जीर्ण. वि सं.1988 तक का विवरण
सीसोदिया एवं अन्य वंश वर्णन	"	गद्य	13"×8·1"	65	23-25	13-20	लिपि सुपाठ्य
सिंह के रूप में वीर वर्णन	"	पद्य 38	4 7"×6·4"	9	8-10	9-14	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रन्थ क्रमबद्ध नहीं
"	"	पद्य 38	12·2"×9·5"	2	27	28-35	ग्रन्थ सं,310 के साथ

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
931	599	सुंदर काण्ड	तुलसीदास	—	—	—	—	—
932	48	सुंदरदासजी का सवैया	सुंदरदास	—	—	—	—	—
933	727	"	"	—	—	—	—	—
934	920	सुंदर शृंगार	सुंदर कवि	वि सं1688	—	हरिदत्त ब्राह्मण	वि.सं1855	मांडलगढ़
935	170	"	"	"	—	—	वि.स. 1844	—
936	816	सुकन सवंतसर सार	हृदयानंद (?)	—	—	—	—	—
937	554	सुख विपाक	—	—	—	—	—	—
938	113	सुदामा चरित्र	कमलानंद	—	—	—	—	—
939	975	सुदामा चरीत्र	—	—	—	—	वि.स.1789	—
940	839	सुदामा चरित्र	—	—	—	—	—	—
941	110	सुदामाजी का सवैया	—	—	—	—	—	—
942	935	सुदामाजी री बारावड़ी	—	—	—	दुरगाप्रसाद	वि सं.1909	सादां री छावणी (?)
943	478	सुना	—	—	—	—	—	—
944	824	सुरगजु जी रो छद (पीडावली)	राम कवि	—	—	जसकरण	वि.सं.1919	—
945	352	सुरतांण गुण-वर्णन	पताजी आशिया	वि.सं.1772	—	आशिया सांवलदान	—	उदयपुर

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
हनुमान लंका-गमन वर्णन	संस्कृत एवं अवधी	पद्य —	6·7"×8·2"	24	8-15	10-20	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य
ज्ञानोपदेश	ब्रजभाषा	पद्य 84	8·4"×6·1"	12	20-21	15-20	लिपि सुपाठ्य, पत्र सं. 37 अप्राप्य
गुरु महिमा, ज्ञानोपदेश	"	पद्य —	2 3"×5"	130	8-9	14-23	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रन्थ सं.117 के साथ
नायिका भेद, शृंगार वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य 287	7·4"×6"	61	9-13	8-20	लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 366	8·7"×6·4"	37	21	18-24	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शकुन विषयक	राजस्थानी	पद्य 204	13·5"×7·5"	21	20	15-20	शब्दार्थ सहित, ग्रन्थ सं. 341 के साथ
जैन धर्म ज्ञानोपदेश	"	पद्य	9·7"×5"	4	15-20	35-40	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
सुदामा चरित्र	ब्रजभाषा	पद्य 26	4·5"×6"	5	12-15	14-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य 361	8·4"×6·2"	187	9-10	8-12	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं.
"	"	पद्य 18	13·5"×7·5"	2	28-34	15-25	ग्रन्थ सं. 343 के साथ
"	"	पद्य 29	4·5"×6"	9	13-15	14-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
भक्ति	"	पद्य 36	6"×5·2"	6	10-15	15-20	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रन्थ सं. 934 के साथ
ज्योतिष	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य 39	8·7"×6·5"	3	7-16	28-32	प्रति जीर्ण-शीर्ण
चरित्र	राजस्थानी	पद्य —	13·5"×7·5"	3	30-34	15-30	ग्रन्थ सं.342 के साथ
"	"	पद्य —	13·2"×7·2"	109	18-32	15-2.5	ग्रन्थ का प्रारंभिक अंश अप्राप्य

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
946	973	सुर पच्चीसी	—	—	—	—	—	—
947	154	सुर सुंदरी सती चौपाई	जिनचन्द सूरि	वि.सं 1732	—	पं. तेजसी	वि.सं 811	गेहरसर ग्राम
948	919	सूंदर सिंगार	सुंदर कवि	वि.सं.1688	—	गुरांजी सोवजी	वि.सं 1870	द्वारिकापुरी
949	834	सूमदातार लक्षण	—	—	—	—	—	—
950	736	सूर छत्तीसी	—	—	—	—	—	—
951	580	सूरजजी को जाप	—	—	—	—	—	—
952	27	सूरज प्रकास	करणीदान	वि.सं.178[illegible]	—	—	—	—
953	356	"	"	"	—	जोशी राम वनी-	वि.सं.1915	—
954	820	सूरदातार संवाद	—	—	—	—	—	—
955	484	सूर पद संग्रह	सूरदास	—	—	—	—	—
956	718	सौ प्रश्नी भाषा	—	—	—	—	—	—
957	436	स्त्री वशीकरण	—	—	—	—	—	—
958	896	स्तवन टोटका	उदयवाचक	—	—	—	—	—
959	938	स्नेह लिला	मुरलीदास	—	—	नानजी भट्ट	—	मांडलगढ़
960	629	स्नेहलीला	—	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
उपदेश	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	4·[illegible]"×5·[illegible]"	2	14	15-20	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रन्थ सं. 945 के साथ
जै। कथा	राजस्थानी	पद्य —	4"×9·5"	27	13	35-40	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
शृंगार वर्णन	ब्रजभाषा	पद्य [illegible]68	6"×4·7"	112	8	12-17	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
कंजूस दानियों का वर्णन	राजस्थानी	पद्य 20	13·5"×[illegible]·5"	3	24	15-20	ग्रन्थ सं. 343 के साथ
शूरवीर वर्णन	"	पद्य 38	4·7"×6·4"	6	8-10	10-15	लिपि सुपाठ्य नहीं, ग्रन्थ सं. 124 के साथ
सूर्य स्तुति	ब्रज एवं संस्कृत	पद्य 9	5·9"×5·9"	2	10-12	10-15	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
अभयसिंह चरित्र एवं राठौड़ वंश वर्णन	राजस्थानी	पद्य	10·5"×9·6"	166	20	23-33	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	पद्य —	13·6"×8"	198	26	15-25	"
शूर एवं दानी की महिमा	"	पद्य 23	13·5"×7·5"	3	25-30	7-10	ग्रन्थ सं. 342 के साथ
भक्ति	ब्रजभाषा	पद्य —	7·1"×8"	169	11	17-22	ग्रन्थ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
आत्म ज्ञान	राजस्थानी	पद्य —	11·1"×9·3"	3	29-30	24-30	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि भेद, ग्रन्थ सं. 92 के साथ
मंत्र-तंत्र	"	पद्य —	9·8"×4·5"	1	13	35-41	पृष्ठ भाग पर हनुमान व काला भैरव को सिद्ध करने के मंत्र
भक्ति	"	पद्य —	9·6"×4·3"	1	10	15-40	ग्रन्थपूर्ण, ग्रन्थ सं. 430 के साथ
गोपीउद्धव संवाद	ब्रज	पद्य 124	6·5"×5"	17	8	10-15	सुपाठ्य नहीं, ग्रन्थ सं. 937 के साथ
"	"	पद्य 141	6·1"×4·7"	12	10-15	15-20	ग्रन्थ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं

क्रमांक	ग्रन्थ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
961	69	स्नेह लीला	रसिक राय	—	—	—	वि.सं.1912	उदयपुर
962	441	स्वाध्याय	जस विजय	—	—	—	—	—
963	728	स्वामी राम-चरण की वांणी	रामचरण	—	—	—	—	—
964	642	स्वारथ पचीसी	रिषलालचद	वि सं186[illegible]	—	—	—	—
965	848	हंस बोध	हम्मीरसिंह	—	—	—	—	—
966	9	हनुमान कवच	तुलसीदास	—	—	—	—	—
967	159	हनुमान बाहुक	"	—	—	—	—	—
968	283	हमीर रासो	महेश	—	—	गाल मुकुन्द माथुर	वि.सं.1960	—
969	388	हमीरसिंह ग्रौर झाला रायसिंह का युद्ध	—	—	—	—	—	—
970	895	हमीर हठ	—	—	—	—	—	—
971	285	हयगुण प्रकाश प्रश्नोत्तर पत्रिका	लक्ष्मणदान	वि.सं.1924	—	—	—	—
972	225	हयगुण प्रकास प्रश्नोत्तर पत्रिका	"	"	—	मन्नालाल	वि.सं.1938	कोटा
973	371	हरि प्रकाश	हरि चरण दास	—	—	—	—	—
974	578	हरिरस	—	—	—	गोमीदराम	वि.सं.1805	—
975	413	"	ईसरदास दास बारहठ	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
गोपी उद्धव संवाद	ब्रज	पद्य 124	8 1"×5·8"	8	15	17-22	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
स्वाध्याय वर्णन	राजस्थानी	—	9·4"×4"	1	12	30-40	लिपि सुपाठ्य नहीं
ज्ञानोपदेश	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य —	2·4"×4·6"	309	5	13-20	ग्रंथ सं 118 के साथ
उपदेश	राजस्थानी	पद्य 25	9 4"×4.6"	1	20	50-55	लिपि सुपाठ्य पत्र त्रुटित
हंस हंसिनी संवाद	ब्रज	पद्य 52	13·5"×7·5"	4	28-32	15-25	ग्रंथ संख्या 343 के साथ
हनुमान स्तुति	"	पद्य 10	5·2"×3"	6	6	16-22	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
हनुमान चरित्र	"	पद्य 44	4·3"×6·7"	23	6	16-22	"
हम्मीर चरित्र	राजस्थानी एवं ब्रज	पद्य	12·8"×8"	199	10-12	10-22	"
युद्ध वर्णन	राजस्थानी	पद्य 54	12·8"×8·3"	3	27	17-20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
हम्मीर चरित्र	ब्रज	पद्य —	11"×8"	4	15-20	30-40	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रंथ सं. 424 के साथ
अश्व चिकित्सा	ब्रज एवं खड़ीबोली	गद्य —	12·3"×7'	100	24-26	10-18	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य
"	"	गद्य	12·9"×8.3"	60	25-26	20-30	"
बिहारी सतसई की टीका	ब्रज	पद्य	9"×7·2"	93	13-21	10-30	300 दोहों की व्याख्य।
भक्ति	राजस्थानी	पद्य —	5 9"×5·9"	21	12-15	10-15	पत्र सं. 1-4 अप्राप्य
"	"	पद्य 182	10·5 ×6·7"	12	13	28-30	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य,

क्रमांक	ग्रंथ संख्या	ग्रन्थ का नाम	रचनाकार	रचनाकाल	रचनास्थल	लिपिकार	लिपिकाल	लिपिस्थल
976	665	हरिनाम री चीतावणी	गंग कवि	—	—	गुजर गौड़ चतरलाल	वि.सं.1901	—
977	509	हरी रस	ईसरदास बारहठ	—	—	देवीसिंह	वि.सं.1812	—
978	811	हालां झालां री कुंडलिया	—	—	—	—	—	—
979	252	हितोपदेस पंचाख्यान	—	—	—	सालिगराम	वि.सं.1865	भावी ग्राम ?
980	214	हीत उपदेस	—	—	—	वरदा कवास	वि.सं.1876	जाजपुर
981	507	हीरा वेदी रा दूहा	व्यानदास	—	—	—	—	—

रचना विषय	भाषा	गद्य/पद्य छंद सं.	आकार	पत्र संख्या	पंक्ति प्रति पृष्ठ	वर्ण प्रति पंक्ति	विशेष
भक्ति	राजस्थानी	पद्य 31	4 9"×6·5"	5	8-9	15-20	ग्रंथ अपूर्ण, लिपि सुपाठ्य नहीं
भक्ति	राजस्थानी	पद्य —	4·7"×7·5"	12	8-12	20-30	"
युद्ध वर्णन	राजस्थानी	पद्य 30	13·5"×7·5"	15	8	15-28	ग्रन्थ अपूर्ण, ग्रंथ सं. 338 के साथ
हितोपदेश कथाएं	ब्रज	गद्य —	8·9"×6.3"	83	20-21	12-16	पत्र सं. 1-16 अप्राप्य
"	"	गद्य —	5·7"×8·2"	115	10-13	17-23	लिपि भेद. लिपि सुपाठ्य
पीतल व मोती संवाद	राजस्थानी	पद्य 20	4·7"×7·5"	3	11-12	15-25	ग्रंथ पूर्ण, लिपि सुपाठ्य

साहित्य संस्थान

राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

परिशिष्ट

परिशिष्ट

[१] अंजणा सती रासो

रचनाकार — क्रमांक–2 ग्रन्थ सं. 587

प्रारंभ--

अथ अंजणा सती रो रासो लीपेतो :

दूहा

अंजण मोटी सती तीण पाळ्यो सील रसाल ।
तीण रै ऊसभ करम उदै हुवे जब आयी अणहुती आल ।।1।।
तीण सील पालोयो कीण देवो, कीण विध आयो आला ।
धुर सुं उतपत तिणरी कह्या, ते सुणजी मन लगाया
ज्यो देसी ।।2।।

(पत्र सं. 29)

मध्य--

हिवै साध कहे बाई सांभलो। थांरा पाछला भव तणी कह्यु विरतंत कै
थारे सो कह्यु ती क्रिपमावती । श्रावका धरम पालनी कर पंत कै ।
सिहरथ पुत्र थी निहनै । थै चोर पाडोमण नै सुंपियो ताय कै ।
तरै धरी सोक थारी टलवली । दुप घणो धरती मन मोय कै ।। सती 90।।

(पत्र सं. 51)

अन्त--

मास मास पंमण करै पारणो ।
सरीर मुकाय दुग्वल करी काय कै ।
त्यांरा नसा जाल दीसे जुवा जुवा ।
हाल्यां चाल्यां घणी वेदन थाय कै ।।
जब तीनो ही जणा वैराग सुं ।
च्यारुं आहार पचकनै कीधो संथार कै ।
केवल ग्यन उप जायनै ।

करम तोर गया मुगत मझार के ।। सती 150 ।।
इति संपुरण इतरी अजण रो भयण सपुरण से गुमांन जी रावता जी उतारीया पीपाड़ महै

(पत्र सं 67)

[२] अजीतसिंघ जी री दवावैत

रचनाकार– द्वारकादास　　　　क्रमांक–9　　　　ग्रन्थ सं. 299

प्रारंभ–

श्री गणेशायनमः
अथ महाराज श्री अजीतसिंघ जी री दवावैत लिख्यते ।
द्वारकादास जी री कही ।
मन बुध मिल कीधो मतो, सिमरां आद गुणेस ।
ज्युं राजा अगजीत नैं, सवदाडंवर कहेस ।। 1 ।।
देवां अगवांणी ज तुं, सेवां तिण सूंडाल ।
दवावैत अग्या दीयो, विद्या वयण विशाल ।। 2 ।।

(पत्र सं. 106)

मध्य--

अथ अमराव वरणनं ।।
दरीषांनु की गहमह । दरियाउ का फेर । मोतियुं की माला । सुमत का साथ । घर घर केडायाली । साष साष का सिणगार । जैसे ही दातार तेसेही जूंझार । हुकम के चाकर । जिस धर कुं पेले । अपणे सिर पर षेलै । डिगते आभ कूं झेले ।

(पत्र सं 114)

अन्त--

छतीसुं ठुकराइयां, अजमल परै न काय ।
मैगल हुंदा षोज मै, सवही पोज समाय ।। 10 ।।
दवावैत द्वादस दुहा, तीन कवत दोय गाहु ।
सतरा समत वहोतरै, कविद्दारै कहियाह ।। 11 ।।
इतिश्री द्वारकादास जी री कही दवावैत संपूरणं लिषितं
···च्ये संवत् 1868 रा पोस वद 4
वुधवासरे ।। श्री ।। ।। श्री ।। ।। श्री ।।

(पत्र सं. 129)

[३] अवतार गीता (अवतार चरित्र)

रचनाकार– नरहरिदास वारहट क्रमांक–31 ग्रन्थ सं. 56

प्रारंभ--

श्री रामोजयति ।। श्री संकरदेवायनम ।। श्री गणेसायनम ।।
श्री गुरुदेवायनम ।। श्री सरसतीयेनम ।। अथ श्री
अवतार गीता वरननं वारहट नरदासेन विरचित ।।
श्री गणेस सतूति वरननं ।।
गुण साठक
सुंडाडंड प्रचंड मेक दसनं मदगंध गल्ल सिथलं
सिदूराहण तुंड मंडित मुख भृंगस्य गुंजारवं ।
यं पर संकर धार सार सगणं प्रारंभं अग्रेस्वरं ।
तं सततं सदवुद्धीमेव सुफलं वरदाय लंवोदरं ।। 1 ।।

(पत्र 1)

मध्य--

श्री रामचंद्र चरन सरन विभीषन चितवन प्रसंग वरनत ।।

दूहा

बिनु बदलै उपगार अति, करत कोसलाधीस ।
दीन बंध जाको विरद, जगत पिता जगदीश ॥
चरन कमल कृत चिंतवन, पै सब छांडि विकलप ।
सरन राम जे हु सुखद, मन कीनों सकलप ॥

(पत्र 120)

अन्त

दूहा

सोरे सहैस अरु आठ से, इकसठि उपरि आंनि ।
छंद अनुष्टप कर सकल, पूरन ग्रंथ प्रमानि ॥ 1 ॥
मे जोइ सून्यौ पूरांन में, क्रम सोई वरनन कीन ।
श्रोता पाठक हेत सों, पावैं भगति प्रवीन ॥ 2 ॥

इति श्री चतुर्विसती अवतार चरित्र भाषा वारहट नरहदास विचिंत श्री अवतार चरित्र संपूरनः । शुभंभूयात् पुस्तक लिपि श्री चिंत्रकूट मध्ये राजधीस महाराजधिराज महाराणा जी श्री 108 श्री जैवानसिंह जी शुभस राज्ये श्रीयं भूयात् ॥ पुस्तक महेता जी श्री मोतीराम जी स्वघर छै ॥ सं. 1887 पोस कृष्न लिपि कृत् वैष्नव रामलाल निरंजनी मुकाम दांत्तडा को । पर लिपि पंड्या धना चित्रकूट वास्तव्य श्री रस्तु : ॥ । ॥ संवत् 1887 वर्षे 1752 मासौत मा. पोष मासे कृष्न । प्रतिपदा चाद्रीवासरे: ॥

(पत्र सं. 241)

विशेष—('अवतार चरित्र' नामक ग्रन्थ की पांच और प्रतियां (ग्रन्थ सं. 58, 243 288, 617 और 705 है।)

[४] कविता कल्पतरू

क्रमांक–101 ग्रन्थ सं. 193

रचनाकार– नान्हूराम

प्रारम्भ

श्री गणेशायनमः
श्री सरस्वत्यैनमः

अथ कविताकलपतर प्रारंभः ।।

छंद छप्पय

मंगल मंगल करन रूप मंगल छवि छाजत ।
बुधि विसाल गुन जाल वाल ससि भाल विराजत ।।
फरसपांनि वरदांनि द्रपद दांनव दल षंडन ।
एकदंत नितिमंत मत्त दंति मुप मडन ।।
जिह जोग काज जग जपत हा, लहत सिद्धि सिव सिद्धि तुव ।
वर रस भूपन भूषन करन देहु उकति गन ईस तुव ।। 1 ।।

(पत्र सं 1)

मध्य--

भिन्न साधारन धर्म मालोपमा ।।
यथ-सांच लए चित पंडव भूप सौं ग्यानो गनेस समांन समाज ।
सोहे भगीरथ सौ कुल मंडल सत्त गहैं हरिचंद ज्यौ साजैं ।।
दांन करन सनमांन करै दिन पथ्य जिमैं अरि सत्य में गाजैं ।
सेस ज्यौं सिघ जोरावर की भुज भूपति भूमि को भार विराजें ।। 26 ।।

(पत्र सं 41)

अन्त -

दोहा

पुषि अष्टमी भूमि सुत कातिक आदिक पाप ।
सवै ग्रन्थ पूरन भयो पूरन कवि अभिलाष ।। 290 ।।

इति श्री सहृदय रुप जोरावरसिघ आग्या प्रमांन ग्रन्थ कविता कलपतर कवि सागर कृत अर्थालंकार संकर संसृष्टि वर्नन नांम पंचमो साषा ।। संपूर्ण ।। समत 1940 का वर्षे श्रावण मासे कृष्ण पक्षे 2 द्वितीया र वे सपूर्ण लीषितं दो सादरपुर में शुभलपित कवित कलपतर जांन ।। नांन्हूं पुत्र नवल कै आम्दतुस्य सम नांम ।। 1 ।। कृष्णार्पण मस्तु ।। 1 ।।, मासांनां मासोत्तमे मासे मार्गसिर मासे शुभे कृष्ण पक्षे पुंन्यस्तितौ द्वीतीयायां रविवारे समयात् संमत् 1940

कामं पुस्तक लीषि ॥ स्वस्थान वासं सादरपुरे राव मोडसिंह लिषितं एव नवलसिंह जी के पुत्र स्वात्म पठनार्क ॥ श्री रस्तु ॥ 1 ॥

(पत्र सं. 81-82)

(पत्र सं 32-36 तक चित्र काव्य)

[५] जसविलास

रचनाकार—उदैराम　　　　क्रमांक—245　　　　ग्रन्थ सं. 377

प्रारंभ--

श्री गणेशायनमः

श्री गुरुभ्योनम

अथ जमातदारजी रो रूपग लिख्यते: ॥

चोपै

श्री गणराज सिमर सु डालं, विद्या पूरण दैण विशाल ।
सौवों चरण पछैं सरसत्ती, अवरल वांणी देण उकत्ती ॥ 1 ॥
धूरजटा सकती उर धारी, वडहथ कीत पछै विसतारौ ।
फौजां थंभ काछ धर फतै, रजवट रुप स्यांम ध्रम रत्तौ ॥ 2 ॥

(पत्र सं. 1)

मध्य--

दोहा

मेरु कागद मेलीयौ, आषर गरब उच्चार ।
जस ग्राहक फतमाल जिसा, सहिते दे सिरदार ॥ 1 ॥
हाजांणी केसर जिसा, रजवट हंदा रूप ।
पास हजारां गढ़पति, भुजा आया दल भूप ॥ 2 ॥

(पत्र सं. 20)

अन्त–

दूहो

गढ़ आबू गिरनार मे, फतमल्ल सिम भेद ।
की पिंजमत तद कांन जी, सुपफल पायो मेव ॥ 1 ॥
के धन गज केकांण कै निजरां करै नरिंद्र ।
पिंगल वाणि छंद पढ़ि, बी रद भेद कविंद ॥ 2 ॥

इति श्री जमातदार फतै मेहमद री रूपक जसविलास संपूर्ण ॥ श्री रस्तु ॥ सं. 1932 रा भाद्रवा सुद 12 रविवारे ॥ श्री जोधपुर मध्ये रावजी श्री बुध जी वाचनार्थे ॥

(पत्र सं 39)

[६] दीपंग कुल प्रकास [अपूर्ण]

रचनाकार–कमजी दधिवाडियां क्रम क–346 ग्रन्थ सं.–15

प्रारंभ--

गणेशाय नम:

अथ ग्रंथ दीपंग कुल प्रकास दधिवाडिया कमजी विहित लिख्यते ।

दोहा

रस कपोल सुरभि त्तर निरख माचै सोर मलिंद ।
ईस पुत्र मोदक असन, गणनायक गजवंद ॥ 1 ॥

(पत्र सं. 1)

मध्य–

दोहा

परणे राव पवारिया, नरिंद वणथली थांन ।
करै राज चढ़ती कला, आसो भुज आजांन ॥ 216 ॥

मध्य–

सूरिज ससि करै पुकार रयण सो ग्रहणि अनाथां जेम ग्रहे ।
विजड़े राउ तणा ऊपर वलि, राहु तणो डर न क्यों रहै ।।62।।
कालंनल भोज तणो कांधालो,मछरालो सूंडालां मार ।
दंतालां सूंडालां दो मझि, गलांले मंडे गुंजार ।।63।।

(पत्र सं. 100)

अंत–

।।कवित्त।।

किण्ही इतो कतीयै तीर रयणायर फेरै ।।
अंब्रर पट चीत्रीयै किण्ही दुहूँ करगि चितेरै ।।
कोइ भुंइं पूरी करै तणो रघुनाथ प्रवाडां ।
कूप नीर रेलीयै कोटि गुणचास मुहाडां ।।
चहुआंण वंस वड मेर चित, मोटि म वामण री मवै ।
कवि कमण रसणि येकणि कहे, राउ रतंन वरंनवै ।।1।।

।।संपूर्ण।।

(पत्र सं. 103)

[१४] राणारासो

रचनाकार– दयालदास क्रमांक–७२५ ग्रंथ सं.८४

प्रारम्भ– अथ राणा रासा लिख्यते

दोहा

विस्व रचित विधि ने जपे, गजमुख गवरीनंदु ।
सो जपि जपि पावन करो, थपि थपि बुद्धि समंदु ।। 1 ।।
सारद ज्याके वदन पर, तुंम कीनो वसि वासु ।
दिनदयाल दीरघ दसा, तिनके परम प्रकासु ।। 2 ।।

(पत्र सं. 1)

मध्य-

दोहा

तथ साहि अकबरू लखै, अखै करै जसु आपु ।
कलजुग गति कलिजुग लरै ,धनि धनि रांनु प्रतापु ।। 436 ।।

दानव लरै न देवयो, मानव कित्तीक वात ।
तवन सुने श्रवननि कहु, श्रवन अंखि दरसात ॥ 437 ॥

(पत्र सं. 62)

अत--

चंद छद चहुवान के, वोली उर्मा विसाल ।
रान रास अतीहास कूं, दोरे न पलत दयाल ॥ 8 ॥

सं. 1675 का माहावद 5 सुभं लिखतां भाई सोभजी यह राणा की पुस्तक जिला रासमी के परगना गलूंड के फूलेर्या मालीयो के राव दयाराम की पुस्तक सं 1675 की लिखी हुई से राजस्थान उदयपुर में गोलवाल विष्णुदत्त ने सं. 1944 का मृगसिर विद 14 के दिन पंडित जी मोहनलालजी विष्णुलाल जी पड्या के पुस्तकालय के लिये लिखी ।

(पत्र सं. 124)

[१५] रामरासो

रचनाकार--माधवदास | क्रमांक--७३६ | ग्रंथ स. ८७४

प्रारंभ--

श्री करनी जी श्री रामजी

श्री गुणेसाय नमो प्रसादातु श्री सरस्वती जी प्रसादातु
अथ गुण रामरासो वधवाड्या माधवदासजी कृत
(प्रथम गाहा चोसर)
ओ ऊंकार स आप अनंत, अंतरजामी जीव अनंतं ॥
आप भगत वर देह अनतं, अहं प्रणाम मनेव अनंतं ॥ 1 ॥
श्रवण सवंद सुमतं सवदं, जास पसाय पाय वंदं ॥
हरजस मुनव करमानंदं, नीय गुरदेव नमयो नमं ॥ 2 ॥

(पत्र सं. 84)

मध्य--

दुहा
तरती देखे सिल जीया आणो जीवर अंब ।
रजपद धोवत लघ रे कीर स नाव कु कंब ॥ 37 ॥
अहल्या कीर उधारीये माधक मेक न मख ।
पछे स जिग पधारीया राम लखण रिख ॥ 38 ॥

(पत्र सं. 95)

अन्त–

ग्रन्थ अपूर्ण है।

[१६] वीरम बत्तोसी

रचनाकार–सांईदान क्रमांक–७८४ ग्रंथ सं १४६

प्रारंभ--

दुहा : वीरम बत्तीसी लिषंते
वीरम थारी बात तो, पड़तो जाणी पार।
ओछी बुद बिच्यार के, तोड़ नाक्यो ते तार ॥ 1 ॥
पुरब जनम का पुन सु, मलोव्यो अस्यो र संजोग।
अतलस हुंदा पेरणा, होह लोग का भोग ॥ 2 ॥

(पत्र सं. 83)

मध्य–

बीरम थारी वात रो, गाढ़ो छो अतबार।
अव वे वाता दुर वो, चत सु कीधयो पनार ॥ 19 ॥
पेली जाणवो खूब हो, अव कुछ होवे नाहे।
लपन वीदाता अंकड़ा, सो सुष होण दे कांहे ॥ 20 ॥

(पत्र सं. 85)

अंत--

मोहनजी चत्रभुजस्यो, नान्यो चुनीलाल।
मीरषा रा मास ही, चारण सांईदांन ॥ 35 ॥
वीरम थारी वीनती, दापी आध्य मेह।
समझो तो नत राष्जो, दूणा डोडा नेह ॥ 36 ॥
अथ वीरम नु वतीसी संपुरण

(पत्र सं. 87)

[१७] शालिभद्र चौपई

रचनाकार–मतिसार क्रमांक–८२५ : ग्रंथ सं १३६

आरंभ--

ॐ नम सिधं

सासण नायक समरीय, विरधमांन जिणचंद।
अलिग्र विघन दुर हरइ, आपई परमाणंद ॥ 1 ॥
महयु को जिनवर मागियो, गिग नीरथ वणी विशेष।
परणी जैंड तेड गाइयई, लोक नीन नीत सपेप ॥ 2 ॥

पत्र सं. 1 (20)

मध्य--

अथ दुहा

धरम देसना सांभली, हरप्यौ सालिकुम (1) र।
कर जोड़ी आगल रही, पूछै एक विचार ॥ 1 ॥
माथै नाथ न सपजै, किण करम मुनीराय।
परम क्रिपाल कृपा करी, ते मुझ कहो उपाय ॥ 2 ॥

पत्र सं. 25 (44)

अन्त–

ए संवध भविक जे भणिसी। एक मनां सांभलिसी जी ॥
दुष दोह ते दुरै गमिसी। मन वंछित फल लहिस्यै जी ॥ 11 ॥ सा. ॥
इति शालिभद्र चोगी सपूरण। संवत 1819 वीरषे मिति जेठ सूद12 दिने आर-यांजी तेजूजी सेवक नोजी कांनु। 3। केकीद मघे लिपी छै जा मुप जैणा कर वाचयोजो लिपतं सेवक नोजी। श्री ॥

पत्र सं. 55 (74)

ग्रन्थकार नामानुक्रमणिका

'द'

'ध'

'न'

'प'

'ब'

'भ'

'म'

'ह'